राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 70
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 24 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 भारी बारिश से हाहाकार, गाजियाबाद के साथ नोएडा-ग्रेटर नोएडा में आज भी बंद रहेंगे 8वीं तक के सभी स्कूल

पेज 5 प्रधान समेत 13 पर गैंगरेप का केस दर्ज, अपहरण, लूट और गर्भपात कराने का भी आरोप लगा

पेज 7 सीएनएन की एंकर ने सिर ढंकने की शर्त पर ईरानी राष्ट्रपति का इंटरव्यू करने से किया इंकार

उत्तराखंड में रिसेप्शनिस्ट मर्डर केस

भाजपा नेता का बेटा गिरफ्तार

एजेंसी

पौड़ी गढ़वाल। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में 19 साल की अंकिता भंडारी मर्डर केस में भाजपा नेता और राज्य के पूर्व मंत्री विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलकित के साथ उसके दो अन्य साथियों अंकित उर्फ पुलकित गुप्ता और सौरभ भास्कर को भी अरेस्ट किया गया है।

आरोप है कि अंकिता की तीनों आरोपियों ने पहाड़ी से नीचे गंगा में धक्का देकर हत्या कर दी। पुलिस ने रिसॉर्ट सील कर दिया है। अंकिता पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर इलाके के एक प्राइवेट रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। यह रिसॉर्ट पुलकित आर्य का है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 19 साल की अंकिता 18-19 सितंबर से गायब थी। 19 सितंबर की सुबह अंकिता अपने कमरे में नहीं दिखी। उसके पिता रिसॉर्ट पहुंचे और कर्मचारियों से पूछताछ की। बेटी का पता नहीं चलने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर गुमशुदा की तलाश के लिए कैंपेन चल रहा था।

DGP अशोक कुमार ने कहा-

राजस्व पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज हुई थी, जो बीते दिन ही रेगुलर पुलिस को ट्रांसफर की गई। 24 घंटे में लक्ष्मण झूला पुलिस ने मुख्य आरोपी पुलकित आर्य सहित तीन आरोपियों ने गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में पुलिस को सुनाई झूठी कहानी

पूछताछ के दौरान पुलकित आर्य ने पुलिस को बताया कि रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी रिसॉर्ट के एक अलग कमरे में रहती थी। कुछ दिनों से वह मानसिक तनाव से गुजर रही थी। इसी के चलते 18 सितंबर को उसे ऋषिकेश घुमाने के लिए ले गए थे। उसने आगे बताया कि देर रात सभी वहां से वापस लौट आए।

इसके बाद रिसॉर्ट में बने अलग-अलग कमरों में सभी लोग सोने चले गए। मगर, 19 सितंबर की सुबह अंकिता अपने कमरे से गायब थी। पुलिस जांच में यह कहानी झूठी पाई गई।

सीसीटीवी से हुआ मर्डर मिस्ट्री का खुलासा

पुलिस ने पहले रिसॉर्ट के कर्मचारियों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश जाते समय अंकिता इन लोगों के साथ थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। वहीं पुलिस ने ऋषिकेश जाने के दौरान रास्ते के ष्टष्टञ्ज्ङ्क भी चेक किए। इनमें देखा गया कि जाते हुए चार लोग थे, लेकिन वहां से आते हुए तीन लोग थे। इसके बाद पुलिस ने तीनों से सख्ती से पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह तीनों अंकिता को लेकर बैराज तक आए। यहां सभी ने शराब पी। इसके बाद अंकिता धमकी देने लगी कि वह सभी को बता देगी कि पुलकित उस पर रिसॉर्ट के कस्टमर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता है।

इस बीच अंकिता ने पुलकित का मोबाइल फेंक दिया और दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद तीनों ने गुस्से में अंकिता को गंगा में धक्का दे दिया और तीनों वापस रिसॉर्ट लौट आए।

देश के कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश से जगह-जगह जलभराव

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून अब जाने वाला है, लेकिन विदाई से पहले कहर बरपा रहा है। देशभर में बाढ़ जैसे हालात हैं। दिल्ली, यूपी, एमपी, राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में लगातार भारी बारिश हो रही है। दिल्ली-गुरुग्राम में बारिश के बाद जगह-जगह पानी भरा हुआ है। कई जगहों पर सड़कें भी धंस गई हैं। इससे जाम लगा हुआ है। उधर, यूपी के इटावा में भारी बारिश से एक मकान की दीवार गिर गई। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को दिन भर भारी बारिश होती रही। शुक्रवार को भी बारिश का दौर जारी है। गुरुग्राम में सड़कों पर पानी भरा हुआ है। इससे जगह-जगह ट्रैफिक जाम लगा हुआ है। मौसम विभाग ने दिल्ली में यलो अलर्ट जारी किया है। इसके चलते अगले 2-3 दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुग्राम प्रशासन ने एडवाइजरी जारी करते हुए शुक्रवार को

कर्मचारियों को घर से ही काम करने को कहा।

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस वे पर 5 यरूलंबा जाम

दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार को हुई भारी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। इसके चलते दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, क्क सहित आसपास के कई इलाकों में जल-जमाव और पेड़ गिरने की वजह से लंबा ट्रैफिक जाम रहा। गुरुग्राम में शाम को हाईवे पर 5 किमी तक गाड़ियों की कतारें देखी गईं। यह जाम दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली से जयपुर जाने वाले रास्ते पर लगा था।

अभी भी बारिश का दौर जारी है। सड़कें टापू बन गई हैं और गली मुहल्ले पानी से भर गए हैं। बारिश को देखते हुए बीएसए ने सभी परिषदीय विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है।

एमपी: 30 से ज्यादा शहरों में दो दिन से बारिश

इंदौर-जबलपुर, ग्वालियर समेत 30 से ज्यादा शहरों में दो दिन से बारिश हो रही है। यह सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। अनूपपुर जिले में सोन नदी में गुरुवार को स्कूली विद्यार्थियों से भरी नाव पलट गई। सभी बच्चे नदी पार कर स्कूल जा रहे थे। नदी के दूसरे छोर पर पहुंचते ही नाव पानी में समा गई। नाव में 18 लड़कियां और 2 लड़के सवार थे। हालांकि, सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया।

यूपी : आकाशीय बिजली गिरने से 2 की मौत

यूपी के 26 शहरों में गुरुवार को मूसलाधार बारिश हुई। कानपुर में आकाशीय बिजली गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि पिता घायल हो गया। शाहजहांपुर में भी आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। आगरा में भी बारिश जारी रही। इसके चलते सड़कें धंस गई। वहीं, मथुरा में जलभराव होने से सीएम योगी आदित्यनाथ का दौरा रद्द कर दिया गया। इटावा में भारी बारिश होने से एक मकान की दीवार भरभरा कर गिर गई। हादसे में एक ही परिवार के 4 बच्चों की मौत हो गई। इनमें तीन भाई और एक बहन शामिल है। फिरोजाबाद में बारिश ने पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जिले भर में बारिश लगातार हो रही है।

राजस्थान : चूरू में बिजली गिरी, धौलपुर में 4 इंच बारिश

राजस्थान के पश्चिमी हिस्से से भले ही मानसून की विदाई हो गई हो, पूर्वी राजस्थान के कई इलाकों में अब भी अच्छी बारिश हो रही है। ऐसा बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर सिस्टम बनने की वजह से है। चूरू जिले में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से ससुर-बहू घायल हो गए। इस दौरान खेत में बैठी करीब 20 से ज्यादा बकरियों की मौत हो गई।

मौसम केंद्र जयपुर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे ज्यादा बरसात धौलपुर में हुई, जहां 119एमएम (4 इंच से ज्यादा) पानी गिरा। तेज बारिश से धौलपुर कस्बे में जगह-जगह पानी भर गया।

केरल में हिंसा के बाद पीएफआई के 500 लोग अरेस्ट

एनआईए की रेड के विरोध में कई जगह तोड़फोड़; पुलिस पर हमला, आरएसएस के ऑफिस पर बम फेंके

नई दिल्ली। 15 राज्यों में 93 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी के बाद शुक्रवार को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने केरल बंद बुलाया। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ता हिंसक हो गए। उन्होंने राजधानी तिरुवनंतपुरम और कोट्टयम में कई सरकारी बसों और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। एजेंसी के अनुसार, कन्नूर के मट्टनूर में आरएसएस ऑफिस पर पेट्रोल बम भी फेंके गए। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस के मुताबिक, कोल्लम में मोटरसाइकिल सवार पीएफआई कार्यकर्ताओं ने 2

पुलिसकर्मियों पर हमला भी किया। एडीजीपी , लॉ एंड ऑर्डर, विजय साखारे ने बताया कि हिंसा के बाद पुलिस ने 500 लोगों को अरेस्ट किया और 400 लोग हिरासत में लिए गए।

केरल हाईकोर्ट ने राज्यव्यापी बंद बुलाने और पीएफआई नेताओं के प्रदर्शन का स्वत- संज्ञान लिया है। केरल हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक, कोई भी बिना अनुमति के बंद नहीं बुला सकता है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि गिरफ्तारियों के बाद ऐसा प्रदर्शन ठीक नहीं। कांग्रेस ने शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा रोक दी। इस पर भाजपा ने तंज कसा कि पीएफआई और इस्लामिक जिहादी संगठनों ने आज हड़ताल का आह्वान किया और कांग्रेस ने आज अपनी पद यात्रा रोक दी। इससे घटिया और शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।

कन्नूर में स्थानीय लोगों ने पीएफआई कार्यकर्ताओं को पीटा

केरल के कन्नूर में स्थानीय लोगों ने पीएफआई कार्यकर्ताओं के एक ग्रुप की पिटाई की। इस दौरान कार्यकर्ता भागने लगे। इनमें से एक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। लोगों का कहना है कि यह लोग बंद के तहत दुकानों के शटर गिराने की कोशिश कर रहे थे।

एनआईए की रेड से भड़के मौलाना साजिद रशीदी, बोले- मुसलमानों को खत्म करने की साजिश

मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना साजिद रशीदी ने एनआईए की रेड को साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह मुसलमानों को खत्म करने की साजिश है और पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की जा रही है।

राजस्थान : ट्रेलर की टक्कर से बोलेरो चकनाचूर, 3 लोगो की मौत

खून से लाल हुई सड़क, चीख पुकार मची; दो बच्चों सहित पांच गंभीर घायल

भीलवाड़ा। राजस्थान में हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर घायल हो गए। एक्सीडेंट इतना भीषण था कि बोलेरो की छत उड़ गई और गाड़ी में सवार लोग बाहर उछलकर जा गिरे। स्थानीय लोगों ने बताया कि टक्कर के बाद भीषण धमाका हुआ हो ऐसी आवाज सुनाई दी। स्टेट हाईवे पर हुए हादसे के बाद लंबा जाम लग गया।

घटना गुरुवार देर रात भीलवाड़ा के जहाजपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि बोलेरो में आठ लोग सवार थे और सवाई माधोपुर से लौट रहे थे। रास्ते में धांधोला (भीलवाड़ा) चौराहे पर सामने से आ रहे ट्रेलर से आमने-सामने की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि हाईवे पर बीच में डिवाइडर नहीं होने और ट्रेलर की ओवरस्पीड के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को भीलवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। वहीं, शव मॉर्च्युरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी गई। हादसा के बाद ट्रेलर ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

आपस में रिश्तेदार थे मृतक

जहाजपुर थाना प्रभारी दुलीचंद गुर्जर ने बताया कि हादसे में बोलेरो ड्राइवर कोदूकोटा (भीलवाड़ा) निवासी लादू लाल (53), मनीष खटीक (35) और हीरा लाल (70) पुत्र मांगू खटीक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घिसी देवी, अंजली, शीला सहित दो बच्चे भी गंभीर रुप से घायल हो गए।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 5,383 नए मामलों की पुष्टि

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण के 5,383 नये मामले सामने आने के साथ संक्रमितों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,58,425 हो गया और इसी अवधि में स्वस्थ होने वालों की संख्या 6,424 रही है, जिससे अब स्वस्थजनों का आंकडा बढ़कर 4,39,84,695 हो गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 217.26 टीके दिये जा चुके हैं। इस अवधि में महामारी से 12 और मरीजों

की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,28,449 हो गया है। सक्रिय मामलों की दर 0.10 प्रतिशत है, दैनिक संक्रमण दर 1.68 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी के सक्रिय मामले 1061 बढ़ने से इनकी संख्या 45281 रह गई। देश में स्वस्थ होने की दर 98.71 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 3,20,187 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.30 करोड़ हो चुकी हैं।

देश में पिछले 24 घंटों में नौ राज्यों और दो केन्द्रशासित प्रदेश में कोराना सक्रिय मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है।

कोविड टीकाकरण में 217.26 करोड़ से अधिक टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 217.26 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक दो अरब 17 करोड़ 26 लाख 27 हजार 951 टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 5383 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 45 हजार 281 रह गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.10 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 1.68 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 6424 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं।

कुरुक्षेत्र में जीटी रोड पर डटे किसान

दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे जाम; चढ़ूनी ने किसानों के साथ सड़क पर ही खाया खाना

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा में धान की सरकारी खरीद न होने से गुस्साए किसान कुरुक्षेत्र के शाहबाद में दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे-44 (जीटी रोड) पर डटे हुए हैं। हाईवे को जाम किए हुए करीब 7 घंटे हो गए हैं। हालांकि प्रशासन के साथ उनकी कल और आज 2 दिन में 6 मीटिंग हो चुकी हैं, लेकिन धान की सरकारी खरीद को लेकर कोई भी हल अभी तक नहीं निकला। वहीं भारी पुलिस बल भी मौके पर तैनात है।

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने प्रशासन और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि

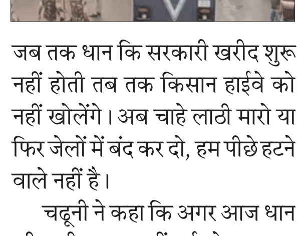

जब तक धान कि सरकारी खरीद शुरू नहीं होती तब तक किसान हाईवे को नहीं खोलेंगे। अब चाहे लाठी मारो या फिर जेलों में बंद कर दो, हम पीछे हटने वाले नहीं है।

चढ़ूनी ने कहा कि अगर आज धान की खरीद शुरू नहीं हुई तो कल 24 सितंबर को पूरे हरियाणा की सड़कों को जाम करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी। वहीं चढ़ूनी ने सभी किसानों से अपील की कि वे अन्य किसानों को ये संदेश दें कि ज्यादा से ज्यादा किसान अपने ट्रैक्टरों को लेकर कल के लिए तैयार रहें।

हरियाणा की मंडियों में धान की आवक जोर पकड़ चुकी है, लेकिन अभी तक सरकारी खरीद शुरू नही की है। किसानों को इससे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। 2 दिन पहले शाहाबाद किसान रेस्ट हाउस में भाकियू (चढ़ूनी) राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी की अध्यक्षता में मीटिंग कर निर्णय लिया गया था कि सरकार अगर गुरुवार शाम तक धान की खरीद शुरू नहीं करती तो शुक्रवार के दिन शाहाबाद के पास राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया जाएगा।

शुक्रवार को 11 बजे हजारों की संख्या में किसान अपने ट्रैक्टर ट्राली लेकर शाहबाद में शहीद उधम सिंह चौक पर पहुंचे। हजारों की संख्या में किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया। वही मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात है। प्रशासन के अधिकारियों की गुरनाम सिंह के साथ मीटिंग भी हुई, लेकिन उसमें कोई भी हल नहीं निकला। उन्होंने निर्णय लिया कि जब तक सरकार धान की सरकारी खरीद शुरू नहीं करती तब तक वह हाईवे को जाम रखेंगे।

धोखाधड़ी

वाई-कॉम्बिनेटर से फंड मिला तो नीयत बदली : बहन के साथ मिलकर बिजनेस पार्टनर को ठगा

16 करोड़ की धोखाधड़ी में एम्स का डॉक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आपराधिक अपराध शाखा ने एम्स के एक एमबीबीएस डॉक्टर और उसकी सॉफ्टवेयर इंजीनियर बहन को फर्जी दस्तावेज बनाकर 16 करोड़ रूपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। EOW के अधिकारी रविंद्र यादव ने बताया कि दोनों भाई-बहनों के खिलाफ पिछले साल नोएडा सेक्टर के रहने वाले डॉक्टर गंधर्व गोयल ने शिकायत दर्ज कराई थी। डॉ गंधर्व ने दोनों भाई-बहनों पर उनका फर्जी साइन लेकर उनके शेयर नौ सौ रुपए में खरीदने और बाद में उसे अन्य निवेशकों को 16 करोड़ में बेचने का आरोप लगाया था। डॉ गंधर्व ने बताया

वो और डॉ चेरियन ने एक साथ एम्स से पढ़ाई की थी। दोनों ने साथ मिलकर दोनों ने सिनैप्सिका टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी खोली थी। जिसका कार्यालय जसोला में है। चेरियन की बहन मीनाक्षी सिंह भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कंपनी से जुड़ीं थी। टीम ने एक ऐसा सॉफ्टवेयर डेवलप किया था, जो बिना रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर के सी.टी. स्कैन, एक्स-रे और एमआरआई का रिपोर्ट तैयार कर देता था। इसी का काम मीनाक्षी देखती थी। बाद में मीनाक्षी कंपनी की शेयर होल्डर बन गई। दिसंबर 2019 में उनकी कंपनी वाई-कॉम्बिनेटर में चयनित हुई और निवेशकों ने कंपनी में पांच करोड़ रुपये का निवेश किया।

पार्टनर को कर दिया दरकिनार

इसके बाद अमेरिका में कारोबार बढ़ाने के लिए सिनैप्सिका हेल्थकेयर इंक के नाम से एक कंपनी खोली गई। पुलिस की अब तक के जांच के अनुसार डॉ चेरियन और उनकी बहन मीनाक्षी ने कंपनी में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों को लुभाने के लिए यूएस में ये कंपनी बनाई थी। दोनों ने बाद में डॉ गंधर्व गोयल के फर्जी हस्ताक्षर लेकर कंपनी में उनकी हिस्सेदारी खरीद ली और उन्हें कंपनी से बाहर कर दिया।

भाई डॉक्टर, बहन इंजीनियर

आरोपी डॉक्टर ने दिल्ली एम्स से अपना एमबीबीएस पूरा किया था और उसकी बहन मीनाक्षी सिंह ने IIAM से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है। दोनों बेंगलुरु के रहने वाले हैं। EOW की टीम ने दोनों आरोपियों को तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया है।

जानिए, क्या है वाई कॉम्बिनेटर

वाई कॉम्बिनेटर नए स्टार्टअप्स को उनके शुरूआती चरण में फंड देकर उनकी सहायता करती है। ये कंपनी साल में दो बार अपने पैमाने पर खरे उतरने वाली विभिन्न कंपनियों को 40 करोड़ की आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

मोदी से भी अपनी नाकामी छिपा रही है हिमाचल सरकार : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि हिमालच सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी गुमराह कर रही है और अपनी विफलाताओं की सही जानकारी देने की बजाय उन युवाओं को संबोधित करने के लिए उन्हें बुला रही है जिनकी उम्मीदों पर उसने पानी फेरा है।

कांग्रेस के हिमाचल प्रदेश के प्रभारी राजीव शुक्ला, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा हिमाचल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुलदीप राठौड़ और विधानसभा चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष धनीराम शांडिल्य ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य में लाख 20 हजार युवा बेरोजगार हैं और उनके पास न नौकरी है ना ही रोजगार है फिर भी श्री मोदी राज्य के मंडी में शनिवार को युवाओं की एक रैली को संबोधित करने के लिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा,हिमाचल सरकार ने युवाओं की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया है और उनके रोजगार के अवसर को नजरअंदाज किया है। राज्य सरकार की इस नीति के कारण वहां के युवा बेरोजगार है, परेशान हैं लेकिन राज्य सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। राज्य में विभिन्न विभागों में 67 हजार 500 पद खाली पड़े हैं लेकिन निक्कमी सरकार इन पदों पर भर्ती के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है और अब युवा रैली कर रही है जिसको संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने युवाओं तथा प्रदेश के लोगों की तकलीफों पर ध्यान नहीं दिया है।

उनका कहना था कि राज्य का देश की सेना में चार प्रतिशत योगदान है और सेना का पहला परमवीर चक्र भी हिमाचल के ही योद्धा के नाम पर है लेकिन आज वहां के युवा अग्निवीर योजना से हताश हैं और केंद्र सरकार की इस योजना का लगातार विरोध कर रहे हैं।

शार्ट न्यूज

डॉ. एम श्रीनिवास बने दिल्ली एम्स के नए डायरेक्टर, बिना आवेदन करे ही मिला पद

नई दिल्ली। हैदराबाद स्थित ईएसआईसी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. एम. श्रीनिवास को दिल्ली स्थित आखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का नया निदेशक नियुक्त किया गया है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। डॉ. श्रीनिवास, रणदीप गुलेरिया का स्थान लेंगे जो मार्च 2017 से इस पद पर हैं। श्रीनिवास 2016 में हैदराबाद में ईएसआईसी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में शामिल होने से पहले दिल्ली एम्स में बाल पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में प्रोफेसर थे। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के निदेशक के पद पर डॉ. श्रीनिवास की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आदेश के अनुसार, यह नियुक्ति पदभार संभालने के दिन से पांच वर्ष या 65 साल की आयु या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक के लिए प्रभावी है। यह आदेश शुरू में 9 सितंबर को दिया गया था, लेकिन बाद में सरकार ने एक नया आदेश जारी कर तारीख को बदलकर 23 सितंबर कर दिया।

जम्मू कश्मीर में बढ़ती शांति देख कुछ तत्व परेशान : डीजीपी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में बढ़ती शांति से कुछ तत्व परेशान हैं और इसे भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने शोपियां जिले में जैनापोरा पुलिस स्टेशन में एक समारोह के बाद के पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के अलावा, इस शांति को और मजबूत करना लोगों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर, लॉन्च पैड अभी भी सक्रिय हैं और नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ के प्रयास किए गए थे। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने इनमें से कई घुसपैठियों का पता लगाया है जो यहां घुसपैठ करने में कामयाब हो गये।

मोदी ने कहा था रुपया, डॉलर बराबर होगा

हैदराबाद। डॉलर के मुकाबले एक बार फिर रुपये में आई गिरावट पर व्यंग्य कसते हुए, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हैदराबाद में शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में भारतीय रुपये को अमेरिकी डॉलर को बराबर लाने का संकल्प लिया था। ट्विटर पर उन्होंने लिखा कि आज एक अमेरिकी डॉलर का मूल्य 81 भारतीय रुपये के बराबर हो गया है, जो पिछले पांच वर्षों में 25 प्रतिशत की गिरावट है। उन्होंने कहा कि आयात और निर्यात के बीच का अंतर बढ़ता चला जा रहा है और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करने के बावजूद हम आयात पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं। ओवैसी ने कहा कि शेयर बाजार अच्छी प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। म्यूचुअल फंड प्रति माह 20,000 करोड़ रुपये से घटकर 6,000 करोड़ रुपये प्रति माह हो चुका है और पिछले एक वर्ष में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लगभग 40 अरब डॉलर की बिकवाली की है। उन्होंने कहा, अमीर लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं और पुर्तगाल, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीयता हासिल कर रहे हैं। मेरा अनुमान है कि बहुत जल्द एक अमेरिकी डालर 100 भारतीय रुपये तक पहुंच जाएगा।

स्मैक की खेप के साथ उप्र का तस्कर गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में पुलिस ने 50 ग्राम स्मैक के साथ उत्तर प्रदेश के एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। उधमसिंह नगर पुलिस के अनुसार रूद्रपुर पुलिस की ओर से गुरुवार रात को मादक द्रव्य तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान लम्बाबड के पास सतीश धीक राइस मिल के पास पुलिस ने एक मोटरसाइकिल सवार को रोका और उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 50 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। आरोपी मो. उमर निवासी ग्राम गुडलिया इमामबाड़ा के पास थाना मीरगंज बरेली उप्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह बरामद स्मैक को बरेली के फतेहगंज से इमरान नामक व्यक्ति से खरीद कर लाया है और रूद्रपुर अमरपुर में मनप्रीत नामक युवक को बेचने के लिये ले जा रहा था। पुलिस ने दोनों आरोपी उमर और मनप्रीत के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। साथ ही पुलिस मनप्रीत की तलाश में जुट गयी है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास को भी खंगाल रही है।

असम पुलिस ने एक और पीएफआई नेता को गिरफ्तार किया

गुवाहाटी । असम पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक और नेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मीनारुल शेख के रुप में की गई है। वह पश्चिम बंगाल में पीएफआई का प्रदेशाध्यक्ष और संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का सदस्य भी है। पुलिस ने कहा कि शेख को पीएफआई की बराक घाटी जिला समिति की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य और महासचिव बजरुल करीम के साथ बाद में दिन में गुवाहाटी की अदालत में पेश किया जाएगा। करीम को गुरुवार को करीमगंज जिले से गिरफ्तार किया गया था। असम में विभिन्न आरोपों में कुल 11 पीएफआई के सदस्य गिरफ्तार किये जा चुके हैं।

त्रिपुरा में एक और भाजपा विधायक का इस्तीफा

अगरतला। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शुक्रवार को उस समय एक और बड़ा झटका लगा जब उसके एक और विधायक बरबा मोहन ने अपना इस्तीफा दे दिया और टिपरा मोथा में शामिल हो गये। राज्य विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से ठीक आधे घंटे पहले श्री मोहन ने टिपरा मोथा सुप्रीमो प्रद्योत किशोर और भाजपा के पूर्व सहयोगी आईपीएफटी विधायक बृशकेतु देबबर्मा के साथ स्पीकर रतन चक्रवर्ती से मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा तथा टिपरा मोथा में शामिल होने की जानकारी दी। श्री चक्रवर्ती ने श्री मोहन का इस्तीफा मिलने की पुष्टि की और कहा कि इस संबंध में उचित प्रक्रिया तहत निर्णय लिया जायेगा। विधानसभा सूत्रों ने दावा किया कि स्पीकर ने श्री मोहन से अपना इस्तीफा यह कहते हुए कुछ समय के लिए टालने का अनुरोध किया कि वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने में केवल कुछ महीने बचे हैं तथा वर्ष के अंत में लेखानुदान पारित करने के लिए एक दिवसीय सत्र बुलाया जा सकता है। इस मौके पर श्री मोहन ने संवाददाताओं से कहा , मेरे पिछले कुछ वर्षों के जुड़ाव के बाद 2018 में भाजपा का विधायक बनने के बाद मैं खुश नहीं हूं। अराजकता की स्थिति और लोगों की पीड़ा देख रहा हूं। मैंने पाया कि भाजपा बोल कुछ रही है तथा कर कुछ और रही है। ऐसी स्थिति मेरे लिए असहज है। मैं भाजपा में शामिल हुआ और लोगों की सेवा करने के लिए चुनाव लड़ा। मैंने पार्टी नेताओं के वादों पर विश्वास किया, लेकिन अब यह तमाशा सा लगता होता है।

लखमेन का पूर्व आतंकवादी नेता की हत्या मामले की सीबीआई जांच से इंकार

शिलांग। मेघालय के गृहमंत्री लखमेन रिम्बुई ने हिन्यूट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल के आतंकवादी नेता क्रिसटरफील्ड थांगखियू की हत्या मामले की स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर कोई आश्वासन देने से इंकार किया है। विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस, दबाव समूहों और थांगखियू के परिजनों ने मामले की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की है। गृहमंत्री ने कहा, सदन के पटल पर सरकार के मत को मैंने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। हर कोई न्याय चाहता है और सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस की ओर से जरूरी स्पष्टीकरण दिया जाना है जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई को लेकर फैसला किया जायेगा। थांगखियू की उसके घर पर 13 अगस्त 2021 में हुई पुलिस के छापे की कार्रवाई के दौरान गोली लगने से मौत हो गयी थी। पुलिस का दावा है कि पूर्व आतंकवादी नेता ने पुलिस पर चाकू से हमला किया जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा गोली चलाने से उसकी मौत हो गयी थी।

पर्यावरण के नाम पर परियोजनाएं अनावश्यक ठप न करें

पीएम मोदी बोले- अर्बन नक्सलियों ने सालों रोका सरदार सरोवर बांध का काम

एजेंसी

अहमदाबाद। देश के सभी राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- पर्यावरण के नाम पर विकास की परियोजनाओं को अनावश्यक ठप न करें। उन्होंने सरदार सरोवर बांध का उदाहरण देकर कहा- अर्बन नक्सली कई सालों तक बांध के निर्माण का काम रोके रहे। मोदी ने कहा- देश आजाद होते ही सरदार सरोवर बांध के काम शुरू हुआ। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इसका शिलान्यास किया था।

इसके बाद अर्बन नक्सली एक्टिव हो गए और नर्मदा नदी पर बनने वाले इस बांध का काम यह दावा करते हुए रोका कि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा।

इसका परिणाम ये हुआ कि बांध बनने में कई दशक लग गए। इसका उद्घाटन तब हो सका जब मैं प्रधानमंत्री बना। इस देरी के कारण भारी मात्रा में

धन बर्बाद हो गया था। अब जब बांध पूरा हो गया है, आप अच्छी तरह से अंदाजा लगा सकते हैं कि उन अर्बन नक्सलियों दावे कितने संदिग्ध थे।

पीएम ने कहा- ये शहरी नक्सली अभी भी सक्रिय हैं। मैं आपसे यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं कि पर्यावरण के नाम पर परियोजनाएं अनावश्यक रूप से ठप न हों। साजिश का मुकाबला करने के लिए हमारे पास एक संतुलित दृष्टिकोण होना चाहिए।

सर्कुलर इकॉनॉमी को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें

मोदी ने कहा- आजकल हम देखते हैं कि कभी जिन राज्यों में पानी की बहुलता थी, ग्राउंड वॉटर ऊपर रहता था, वहां आज पानी की किल्लत दिखती है। ये चुनौती सिर्फ पानी से जुड़े विभाग की ही नहीं है, बल्कि पर्यावरण विभाग को भी इसे उतना ही बड़ी चुनौती समझना होगा।

मैं सभी पर्यावरण मंत्रियों से आग्रह करूंगा कि राज्यों में सर्कुलर इकॉनॉमी को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। इससे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति के हमारे अभियान को भी ताकत मिलेगी।

एनएच पर ट्रक से टकराई बाइक, दो दोस्तों की गई जान

डालटनगंज। झारखंड में पलामू जिले में राष्ट्रीय उच्चपथ संख्या (एनएच)-98 डालटनगंज-औरंगाबाद मुख्य पथ पर पिपरा थाना क्षेत्र के दुबटिया मोड़ के समीप एक ट्रक से बाइक के टकरा जाने से दो युवकों की मौत हो गयी है। पुलिस सुत्रों ने आज यहां बताया कि दुबटिया मोड़ के समीप एक ट्रक के बैक करते समय गुरूवार की देर शाम एक बाइक पीछे से टकरा गई थी। हादसे में बाइक सवार दो दोस्त सुल्तानी निवासी 19 वर्षीय पुत्र ट्विंकल सिंह की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि 20 वर्षीय अनीश कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

राकांपा को परिवारवाद व भ्रष्टाचार में मिलने चाहिए शत- प्रतिशत अंक : सीतारमण

बारामती (पुणे)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को भ्रष्टाचार और परिवारवाद में शत-प्रतिशत अंक मिलने चाहिए। महाराष्ट्र के पुणे में बारामती लोकसभा क्षेत्र में राकांपा पर तीखा हमला करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस पार्टी को परिवारवाद और भ्रष्टाचार में शत-प्रतिशत अंक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बारामती में बेहतर काम और विकास किया जा सकता है जिससे यह क्षेत्र अभी तक दूर है। चुनाव में ईवीएम मशीनों का इस्तेमाल शुरू होने के बाद से सभी कुछ ठीक चल रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का पहला उद्देश्य यहां होने वाले फर्जी मतदान पर लगाम कसना होना चाहिए। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि है और यहां किसी को कोई डर नहीं होना चाहिए। सीतारमण ने कहा मैं यहां अपनी पार्टी के लिए काम करने आयी हूं।

लश्कर-ए-तैयबा का हाईब्रिड आतंकवादी सहित दो गिरफ्तार

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपजिला सोपोर में सुरक्षा बलों ने बुधवार को लश्कर ए तैयबा के हाईबिड आतंकवादी और एक ओवरग्राउंड कार्यकर्ता (ओजीडब्ल्यू) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि इन दोनों को तलाशी अभियान के दौरान गिरफ्तार

किया गया था। सोपोर पुलिस ने सेना की 22 राष्ट्रीय राइफल्स, 179 बटालियन सीआरपीएफ और मार्कोस के साथ बोटिंगू गांव में लश्कर के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय जानकारी के आधार पर सोपोर में तलाशी अभियान शुरू किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान दो व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में घूमते पाए गए। पूछताछ में इन्होंने अपना नाम इम्तियाज अहमद गनई और वसीम अहमद लोन और बोटिंगू निवासी बताया। तलाशी लेने पर इम्तियाज गनई के कब्जे से एक पिस्तौल, एक मैगजीन, आठ पिस्टल राउंड और वसीम लोन के कब्जे से एक चीनी हथगोला बरामद किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर के लिए हाइब्रिड आतंकवादी और ओजीडब्ल्यू के रूप में काम कर रहे थे और सोपोर क्षेत्र और उसके आसपास सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमला करने की योजना बना रहे थे।

पुलिस स्टेशन सोपोर में इस बारे में मामला दर्ज किया गया है।

सरकार किशोर न्याय अधिनियम का सख्ती से पालन करवाये : हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड के रामनगर में मानसिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों के उत्पीड़न के मामले में सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने प्रदेश के गृह सचिव को निर्देश दिये कि किशोर न्याय अधिनियम (जुवेनाइल जस्टिस एक्ट) को लेकर जारी केन्द्र सरकार की विशेष मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का सख्ती से पालन करवायें। साथ ही ऐसे मामलों में पुलिस को भी सख्त धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ ने रोशनी सोसाइटी की ओर

से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद शुक्रवार को ये निर्देश जारी किये। अदालत में आज नैनीताल के एसएसपी पंकज भट्ट और रामनगर के कोतवाल व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। साथ ही अदालत की ओर से गठित कमेटी की ओर से रामनगर के जेसीआर आवासीय विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के तथाकथित उत्पीड़न के मामले में रिपोर्ट पेश की गयी।

रिपोर्ट में स्कूल की व्यवस्थाओं को लेकर अदालत ने संतोष व्यक्त किया गया। अदालत ने दिव्यांग बच्चे के गुमशुदगी के संबंध में एसएसपी भट्ट से सवाल जवाब किये और पूछा कि इस मामले में रिपोर्ट क्यों नहीं दर्ज की गयी।

भट्ट ने अदालत को बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी। अदालत ने इस मामले में पुलिस की रवैये पर गंभीर रूख अख्तियार करते हुए प्रदेश के गृह सचिव को निर्देश दिये कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट का प्रदेश में सख्ती से पालन कराया जाये।

मानसून ने वापसी पर दिखाया रंग, हरियाणा में भारी बारिश

चंडीगढ़। मानसून की विदाई वेला के मौके पर हरियाणा में अनेक स्थानों पर औसत से भारी बारिश हुई तथा पंजाब सहित कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। मौसम केन्द्र के अनुसार हरियाणा में अगले तीन दिन कहीं कहीं भारी बारिश और गरज-चमक के आसार हैं। हरियाणा में अगले चौबीस घंटे में लगभग सभी स्थानों पर वर्षा होने का अनुमान है। हरियाणा के दक्षिणी तथा पूर्वी हिस्से में भारी बारिश की संभावना है। पंजाब में हल्की बारिश के आसार हैं। हरियाणा में पिछले चौबीस घंटों में मेवात इलाके में 108 मिमी, नूंह 107 मिमी, गुडगांव जलथल हो गया तथा वहां 107 मिमी, अंबाला 37 मिमी सहित अनेक स्थानों पर जोरदार बारिश हुई।

त्रिपुरा में कानून व्यवस्था पर चर्चा की मांग को लेकर माकपा ने सदन से किया बहिर्गमन

अगरतला। त्रिपुरा में विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र के पहले दिन शुक्रवार को राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा करने की अनुमति देने की मांग को लेकर विधानसभा से बहिर्गमन किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व कानून मंत्री एवं माकपा विधायक तपन चक्रवर्ती ने अपने स्थगन प्रस्ताव को ठुकराने के लिए अध्यक्ष रतन चक्रवर्ती से जवाब मांगा। अध्यक्ष ने तर्क दिया कि प्रस्ताव की विषय वस्तु दावे को सही नहीं ठहराती है। प्रश्नकाल और सामान्य चर्चा के दौरान इस मुद्दे पर हालांकि चर्चा दूसरे दिन हो सकती है, लेकिन विपक्षी सदस्य सहमत नहीं हुए और 15 मिनट के बाद वे प्रश्नकाल के दौरान बाहर चले गये। बाद में विपक्ष के नेता माणिक सरकार ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि पुलिस ने नौकरी की तलाश में जा रहे छात्रों और युवाओं को बेरहमी से प्रताड़ित किया जिससे कई लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्होंने कहा कि दो दिन पहले उदयपुर में बड़ी संख्या में माकपा कार्यकर्ताओं को भाजपा के गुंडों ने पुलिस के सामने पीटा जब वे पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पिछले कुछ दिनों में गोमती और दक्षिण त्रिपुरा जिलों में माकपा समर्थकों के बड़ी संख्या में घरों में तोड़फोड़ की गयी। इस बीच कांग्रेस विधायक सुदीप रॉयबर्मन ने कानून -व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के लिए कानून मंत्री रतन लाल नाथ की खिंचाई की। उन्होंने सरकार पर जांच में बाधा डालने और अपराधियों को बचाने के लिए उत्पीड़न का आरोप लगाया।

हिमाचल में शनिवार को भी बारिश, जनजीवन प्रभावित

शिमला। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में अगले 24 घंटों में शनिवार तक हल्की से मध्यम बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया है। राज्य में अप्रत्याशित बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है, संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है और सड़क संपर्क बाधित हुआ है।

हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा कि चंबा जिले की होली तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्रोंडा गांव के फेर नाले में बादल फटने से तीन ग्रामीणों की 55 भेड़-बकरियां बह गईं। राहत और बचाव टीमों को मलबे के नीचे दबे जानवर मिले हैं। राजस्व अधिकारियों की टीम बारिश से हुए नुकसान का आकलन कर रही है।

सामान्य रूप से हिमाचल प्रदेश में 20 सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून वापस हो जाती है लेकिन इस बार बारिश देरी हुई है और खरीफ फसलों की कटाई प्रभावित हुई है।

गुरुवार रात तक बारिश से लगभग 30 सड़कें और 119 वितरण संचरण लाइनों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।

पहाड़ी राज्य के सभी स्थानों पर गुरुवार से लगातार बारिश होने के कारण कई पेड़ गिर गए और सेवाएं बाधित हुई हैं।

अपराधियों पर अब हरियाणा में शिकंजा कसना शुरू

गुरुग्राम। उत्तर प्रदेश तथा मध्यप्रदेश के बाद अब हरियाणा ने भी अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया है। आज यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार आपराधिक किस्म के लोगों के काली कमाई और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलना शुरू हो गया है। गुरुग्राम में भी एक ऐसे ही गैंगस्टर की संपत्तियों पर आज बुलडोजर चला बताया जाता है कि सूबे सिंह गुर्जर एक गैंगस्टर है जो बाढ़ गुर्जर गांव का निवासी है और इस पर 42 आपराधिक मामले जिनमें हत्या का प्रयास डकैती लूटपाट किडनैपिंग आर्म एक्ट जैसे मुकदमे मेवात रेवाड़ी पलवल और दिल्ली में विचाराधीन हैं।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पंजाब सरकार को लगाया 2080 करोड़ का जुर्माना

चंडीगढ़/ नयी दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ठोस और तरल अपशिष्ट का प्रबंधन नहीं करने के लिए एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने पंजाब पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने अपने फैसले में कहा है कि पंजाब 2014 से प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए वैधानिक समय सीमा का पालन करने में विफल रहा है। इसके साथ ही सीवेज प्रबंधन, जल प्रदूषण और जल प्रदूषण नियंत्रण डिवाइस

लगाने में विफल रहा है। इतना ही नहीं एनजीटी ने पंजाब सरकार को प्रदूषण फैलाने वालों से 2080 करोड़ रुपये के जुर्माने को वसूलने के लिए कहा है।

एनजीटी ने कहा कि पर्यावरणीय मानदंडों का बड़े पैमाने पर पालन नहीं किया गया, इसकी वजह से मौत और बीमारियां और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा, जबकि इसके लिए जवाबदेही भी तय नहीं की गई।

उल्लेखनीय है कि गत सप्ताह एनजीटी ने राजस्थान सरकार को ठोस और तरल कचरे के अनुचित प्रबंधन के लिए पर्यावरण संबंधी मुआवजे के रूप में 3,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इसी प्रकार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने उत्तर प्रदेश सरकार को प्रतापगढ़, रायबरेली और जौनपुर जिलों में तरल कचरे के अपर्याप्त प्रबंधन के लिए 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया था।

लम्पी की चुनौती से निपटने के लिये सरकार पशुपालकों के साथ: शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पशुपालकों से कहा है कि लम्पी वायरस की चुनौती से निपटने के लिये राज्य सरकार आपके साथ है। आप बिल्कुल भी चिंता न करें। लगातार स्थिति पर नजर बनाये हुए संक्रमण पर शीघ्र नियंत्रण के हर संभव उपाय किये जा रहे हैं।

आधिकारिक जानकारी में श्री चौहान ने कहा कि संक्रमण से बचाव के लिये टीकों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। राज्य शासन द्वारा प्रभावित जिलों में मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है। पशु चिकित्सक पशुओं के उपचार और रोग के संबंध में आवश्यक परामर्श के लिये उपलब्ध हैं। वे दिन-रात कार्य कर रहे हैं। श्री

चौहान ने पुनः कहा कि यह बीमारी पशुओं से मनुष्यों में नहीं फैलती है, इसलिये घबराये नहीं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि पशुपालकों के सहयोग और सरकार के प्रयासों से जल्दी ही पशुधन को लम्पी वायरस के प्रकोप से मुक्त कराने में सफल होंगे। श्री चौहान ने कहा कि मेरा सभी पशुपालक भाई-बहनों से विनम्र अनुरोध है कि अपने पशुओं में लम्पी स्किन डिसीज के लक्षण दिखाई देने पर निकटतम पशु औषधालय या पशु चिकित्सालय में तत्काल सम्पर्क करें। बीमार पशुओं का उपचार करायें। स्वस्थ पशुओं को बीमार पशुओं से अलग रखें। स्वस्थ पशुओं का टीकाकरण करवायें। पशु रखने के स्थान की साफ-सफाई रखें। पशुओं के शरीर पर होने वाले परजीवी जैसे किल्ली, मक्खी, मच्छर आदि को नियंत्रित करने के उपाय करें। बीमारी के प्रकोप के थमने तक बाहर के राज्यों अथवा ऐसी जगहों से, जहां बीमारी का प्रकोप हो, पशुओं का क्रय-विक्रय नहीं करें।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के राजस्थान एवं गुजरात के निकटवर्ती जिलों में गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं में लम्पी संक्रमण देखा जा रहा है। वायरस जनित यह बीमारी गौ-भैंस वंशीय पशुओं में पशुओं से बारिश के दिनों में फैलती है। रोग की शुरूआत में हल्का बुखार दो-तीन दिन के लिये रहता है। इसके बाद पूरे शरीर की चमड़ी में गोल उभरी हुई गाँठें निकल आती हैं। बीमारी के लक्षण मुँह, गले, श्वांस नली तक फैल जाते हैं। साथ ही पैरों में सूजन, दुग्ध उत्पादकता में कमी, गर्भपात, बाँझपन और कभी-कभी पशु की मृत्यु भी हो जाती है। अधिकतर संक्रमित पशु दो से तीन सप्ताह में ठीक हो जाते हैं, किन्तु दुग्ध उत्पादकता में कमी कुछ समय तक बनी रह सकती है।

शिवराज चौहान ने उज्ज्वला कार्ड में लापरवाही पर एक को किया निलंबित

डिंडोरी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज उज्ज्वला योजना के तहत कार्ड बनाने में लापरवाही पर एक अधिकारी को निलंबित कर दिया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत ग्राम जोगी टिकरिया में आयोजित शिविर में उज्ज्वला योजना के तहत कार्ड बनाने में लापरवाही करने के मामले में डीएसओ टीकाराम अहिरवार को निलंबित कर दिया।

इसी कार्यक्रम के दौरान चौहान ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से छूटे हुए हितग्राहियों को तुरंत लाभ उपलब्ध कराना है। निर्धन जनजातीय लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाना पड़े, अधिकारी-कर्मचारी पंचायत में ही जाकर उन्हें लाभ प्रदान करें।

उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के संबंध में जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के नाम पर थोड़ी भी कृषि योग्य भूमि है उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत वर्ष में 6 हजार और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत प्रतिवर्ष 4 हजार रुपये प्रदान किये जाते हैं।

औरंगाबाद : कुख्यात नक्सली विनय दो साथियों के साथ गिरफ्तार

औरंगाबाद। बिहार- झारखंड का कुख्यात नक्सली नेता और 18 लाख रुपए के इनामी विनय यादव को दो अन्य नक्सलियों के साथ औरंगाबाद जिले के दाउदनगर थाना क्षेत्र के मायापुर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र ने आज बताया कि कुख्यात नक्सली विनय यादव की गिरफ्तारी बिहार - झारखंड की पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त कार्रवाई के दौरान की गई है। गिरफ्तार नक्सली के पास से 20 लाख रुपए नगद भी बरामद किया गया है। बरामद रुपया लेवी की राशि बताई जा रही है।

मिश्र ने बताया कि इस नक्सली पर झारखंड सरकार ने 15 लाख रुपए और बिहार सरकार ने तीन लाख का इनाम घोषित कर रखा है । विनय यादव की तलाश पुलिस लंबे अरसे से कर रही थी । इसके साथ गिरफ्तार दो अन्य नक्सलियों की पहचान मायापुर के अमरेंद्र पासवान और भलुआड़ी खुर्द गांव के इदरीश अंसारी के रूप में की गई है।

के राजा प्रसाद रेड्डी बने आईएनएस के प्रेसीडेंट

नयी दिल्ली। तेलुगू दैनिक 'साक्षी' के श्री के राजा प्रसाद रेड्डी को वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय समाचार पत्र सोसाइटी (आईएनएस) का प्रेसीडेंट निर्वाचित किया गया है। वह इकोनॉमिक टाइम्स के मोहित जैन का स्थान लेंगे। आईएनएस ने शुक्रवार को यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पाक्षिकों के प्रकाशकों की संस्था आईएनएस की 83वीं वार्षिक आम बैठक आज ऑनलाइन आयोजित की गयी जिसमें वर्ष 2022-23 के लिए श्री रेड्डी को सोसाइटी का अध्यक्ष चुना गया।

मुस्लिम महिलाओं के 'मुक्तिदाता' के रूप में याद किए जाएंगे मोदी : आरिफ मोम्मद खान

नयी दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को कहा कि तीन तलाक की प्रथा खत्म करने का निर्णय ऐतिहासिक है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में 'मुस्लिम महिलाओं के मुक्तिदाता' के रूप में याद किए जाएंगे।

खान आज राजधानी में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' शीर्षक पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी संबोधित किया। यह पुस्तक प्रधानमंत्री के चुनिंदा भाषणों का एक संग्रह है।

खान ने कहा कि इस पुस्तक में एक बात हर जगह दिखती है, वह है हर वर्ग के लोगों और महिलाओं के सख्त सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री की चिंता है।

राज्यपाल ने तीन तलाक के विषय में कहा, देश में सदियों से चली आ रही इस कुप्रथा से पार पाना कोई छोटा काम नहीं था। यह प्रथा परेशान करने वाली थी, क्योंकि विवाहिता मुस्लिम महिलाओं को निरंतर तलाक की तलवार के खौफ में जीना पड़ता था। उन्होंने इसी संदर्भ में उस कहानी का जिक्र किया जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी सबसे बड़ी विफलता का उल्लेख करते हुए कहा था कि मुस्लिम महिलाओं को हिंदू महिलाओं के बराबर अधिकार न दिला पाना उनकी सबसे बड़ी विफलता थी ।

शार्ट न्यूज

असिस्टेंट कमिश्नर मामले में इंस्पेक्टर दबोचा

नोएडा। पुलिस ने सेक्टर 62 राज्य वस्तु एवं सेवाकर (एसजीएसटी) असिस्टेंट कमिश्नर को अश्लील मैसेज भेजने और जान से मारने की धमकी देने वाले विभाग के इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। सेक्टर 121 क्लियो काउंटी सोसायटी में रहने वाली प्रभजीत कौर राज्य वस्तु एवं सेवाकर (एसजीएसटी) में असिस्टेंट कमिश्नर हैं। प्रभजीत गाजियाबाद के नेहरू नगर स्थित ऑफिस में कार्यरत हैं। उनके अधीन नोएडा के सेक्टर 62 स्थित राज्य वस्तु एवं सेवाकर (सीजीएसटी) ऑफिस है। यहां जीएसटी इंस्पेक्टर अर्पित मलिक तैनात है। अधिकारी ने आरोप लगाया था कि 20 सितम्बर की सुबह अर्पित ने उन्हें मोबाइल पर गालियां दी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसको लेकर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया था। डीसीपी सेंट्रल राम बदन सिंह ने बताया कि इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

बिना मीटर दौड़ते 25 ऑटो पर जुर्माना

नोएडा। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को बिना मीटर दौड़ते 25 ऑटो पकड़े हैं। प्रत्येक ऑटो का एक-एक हजार रुपये का जुर्माना किया गया है। एआरटीओ प्रवर्तन प्रशांत तिवारी ने कहा कि ऑटो में मीटर लगवाना फिटनेस के लिए भी जरूरी है। बिना मीटर ऑटो की फिटनेस नहीं होती है। इसलिए चालक ऑटो में मीटर जरूर लगवा लें।

सोसाइटी और सेक्टर के लिए आफत बनी बारिश

ग्रेटर नोएड/नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा-ग्रेनो में बारिश सेक्टर और सोसाइटी के लोगों के लिए आफत बनी हुई है। बारिश से सेक्टर और सोसाइटी में पानी भर गया है। इसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सेक्टर-82 चार मंजिल के फ्लैट का मारवल दाना गिर गया। वहीं, सेक्टर-26 में सड़क धस गई। बारिश से सेवन-एक्स की सोसाइटी के बेसमेंट में पानी भी जमा हो गया। सेक्टर-82 मधुबन अपार्टमेंट में राम प्रसाद के फ्लैट के पास चार मंजिल के टावर के प्लास्टर का एक हिस्सा टूटकर गिर गया। रात के समय प्लास्टर गिरने से किसी तरह की जन व आर्थिक हानि नहीं हुई। सेक्टर-26 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने बताया कि बारिश से सड़क धंस गई। इससे किसी तरह की घटना या दुर्घटना होने का डर सता रहा है। सेक्टर-62 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष आरके उप्रेती ने बताया कि बारिश की से जल भराव हो गया।

पीएनजी की वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर उद्यमियों ने दिया जिलाधिकारी को ज्ञापन

गाजियाबाद। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने शुक्रवार को पीएनजी गैस की वैकल्पिक इंतजाम, नियमित विद्युत आपूर्ति समेत सात मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन का कहना है कि जब तक जिले में ग्रेप लागू है, तब तक उद्योगों को को नियमित बिजली की आपूर्ति की जाए तथा 100 केवीए से कम क्षमता वाले जनरेटर चलित उद्योगों पर कोई पाबंदी न लगाया जाए। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को सात सूत्रीय मांग पत्र दिया है। मांग पत्र में कहा गया कि वायु गुणवत्ता आयोग द्वारा एक अक्टूबर से सभी उद्योगों में पीएनजी इंधन एवं पीएनजी चलित जनरेटर को अनिवार्य किया गया है। इससे जनपद के हजारों उद्यमियों की परेशानी बढ़ने वाली है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज सिंघल ने बताया कि एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के लिए यह प्रयास किया गया है जो कि सही है। लेकिन जनपद में करीब 28 हजार कल कारखाने हैं इनमें सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों की संख्या करीब 25 हजार है। जिले के कुछ औद्योगिक क्षेत्रों में ही पीएनजी की लाइन डाली गई है जबकि अधिकांश नियोजित एवं अनियोजित औद्योगिक क्षेत्रों में अभी तक पीएनजी की लाइन भी नहीं बिछाई गई है। सिंघल ने पत्रकारों को बताया कि पीएनजी का सेटअप बहुत महंगा पड़ता है ।

एमएमएच कॉलेज में एलएलबी की एक सीट पर 17 दावेदार

गाजियाबाद। जिले के एमएमएच कॉलेज में एलएलबी पाठ्यक्रमों में एक सीट के मुकाबले अब तक 17 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जबकि, कई निजी कॉलेजों में सीटों के बराबर भी पंजीकरण नही हुए हैं। केवल आईएएमआर, आईपीईएम जैसे कुछ ही निजी कॉलेजों में सीटों से ज्यादा नामांकन हुए हैं। मॉडल टाउन स्थित एमएमएच कॉलेज जिले का एकमात्र राजकीय डिग्री कॉलेज जो एलएलबी में डिग्री प्रदान करता है। राजकीय कॉलेज होने की वजह से निजी कॉलेजों की अपेक्षा यहां फीस भी बहुत कम है। ऐसे में यह कॉलेज छात्रों की पहली पसंद रहा है। एमएमएच कॉलेज में एलएलबी की कुल 120 सीट हैं, जिन पर अब तक 2,117 छात्रों ने दाखिले के लिए आवेदन किया है। इस हिसाब से हर एक सीट पर करीब 17 छात्रों की दावेदारी बनती है। इसीलिए पंजीकरण करने वाले सभी छात्रों को एमएमएच में दाखिला मिलना मुश्किल है। ऐसे में आवेदकों को दाखिले के लिए अन्य विकल्प भी तलाशने चाहिएं।

भारी बारिश से हाहाकार, गाजियाबाद के साथ नोएडा-ग्रेटर नोएडा में आज भी बंद रहेंगे 8वीं तक के सभी स्कूल

मौसम विभाग ने अभी कई दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है

गाजियाबाद नोएडा। मौसम विभाग के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शनिवार 24 सितंबर को भी भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए दिल्ली से सटे गाजियाबाद और नोएडा-ग्रेटर नोएडा में दूसरे दिन भी नर्सरी से 8वीं क्लास तक के स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया गया है।

गाजियाबाद में भारी बारिश के अलर्ट के मद्देनजर जिला प्रशासन ने शनिवार 24 सितंबर को भी नर्सरी से 8वीं क्लास तक के स्कूलों को बंद रखने का फैसला किया है। बारिश के कारण शुक्रवार को भी नर्सरी से 8वीं क्लास तक के सभी बोर्ड के स्कूल बंद रहे।

शुक्रवार को दिन भर बारिश होती रही, जिसके बाद जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शनिवार को भी स्कूल बंद रहने के आदेश जारी कर दिए। गाजियाबाद जनपद में बुधवार से खूब बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अभी कई दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसको देखते हुए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने जनपद में कक्षा एक से कक्षा आठ तक के समस्त बोर्ड के विद्यालय बंद करने के निर्देश दिए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विनोद मिश्रा ने बताया कि 24 सितंबर को सभी स्कूल बंद रहेंगे। कक्षा 9 से आगे की सभी कक्षाओं के छात्रों की पढ़ाई नियमित जारी रहेगी, साथ ही जिन स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं उनमें परीक्षा भी पूर्व परीक्षा कार्यक्रम के तहत संचालित रहेंगी।

वहीं, गौतमबुद्धनगर जिले के डीएम सुहास एल वाई ने भी शुक्रवार देर शनिवार को नर्सरी से 8वीं क्लास के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया है। सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों से आदेश का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

बारिश के कारण जलजमाव होने से जगह-जगह जाम

दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में जलजमाव होने से शुक्रवार को कई जगहों पर यातायात जाम हो गया। मौसम विभाग ने शनिवार को भी और बारिश होने का अनुमान जताया है। बता दें कि, गुरुग्राम में भारी बारिश के बीच गुरुग्राम जिला प्रशासन ने शुक्रवार को सभी सभी कॉरपोरेट ऑफिसों और निजी ऑफिसों को एडवाइजरी जारी कर उनके कर्मचारियों को आज घर से ही काम (वर्क फ्रॉम होम) करने की सलाह दी थी। इसके साथ ही शिक्षण संस्थानों को बंद रखने को कहा था।

बारिश से रामलीला मैदानों की हालत हो गई है खराब : बिधूड़ी

मैदानों और सड़कों की मरम्मत के लिए फौरन इन्तजाम करे सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में हो रही लगातार बारिश से रामलीला आयोजकों को हो रही परेशानी की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित कराया है। उन्होंने कहा है कि बारिश के कारण ज्यादातर रामलीलाओं के मैदानों की हालत बहुत खराब हो गई है। मैदानों की मरम्मत कराने के लिए सरकार तुरंत आगे आए। बिधूड़ी ने कहा कि राजधानी में एक हजार से अधिक छोटी-बड़ी रामलीलाएं मंचित होती हैं। पिछले तीन दिन की बारिश के बाद सभी रामलीला मैदानों में पानी भर गया है और वहां गहरे गड्ढे हो गए हैं। यही नहीं, रामलीला मैदानों तक पहुंचने वाली सड़कों की हालत भी बहुत खराब हो गई है। दिल्ली में अधिकतर रामलीलाओं का आयोजन 25 सितंबर से आरंभ होना है। ऐसे में आयोजकों के पास समय बहुत कम बचा है।

उन्होंने कहा कि पिछले दो साल कोरोना की वजह से रामलीलाओं का आयोजन नहीं हो सका है। इस बार रामलीलाओं के प्रति आयोजकों और जनता में काफी उत्साह है लेकिन वर्षा ने रंग में भंग डाल दिया है। इसलिए सरकार को तुरंत रामलीला आयोजकों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदानों में मलबा डालकर उन्हें समतल कराने और साथ ही रामलीला मैदानों तक पहुंचने वाली सड़कों की तुरंत मरम्मत की आवश्यकता है।

आयोजक रामलीलाओं की तैयारी पर लाखों रुपए खर्च कर चुके हैं लेकिन अब बारिश के कारण उन्हें बहुत परेशानी हो रही है। ऐसे में सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए आयोजकों के साथ सहयोग करना चाहिए।

मजदूरी कर रहे पांच बच्चों को श्रममुक्त कराया

श्रम विभाग की टीम ने सेक्टर-142 की गुलशन मार्केट में की छापेमारी

नोएडा। जिले में पढ़ने-लिखने की उम्र में बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है।

शहर के सेक्टर-142 स्थित गुलशन मार्केट में श्रम विभाग ने छापेमारी की तो दुकानों पर पांच बच्चे बाल मजदूरी करते मिले। टीम ने पांचों बच्चों को श्रम मुक्त कराया। मुक्त बालकों के अभिभावकों से शपथ पत्र लेकर उन्हें बच्चों को उन्हें सौंप दिया। उप श्रम उपायुक्त सुभाष यादव ने बताया कि विभाग में काफी समय से गुलशन मार्केट में बाल मजदूरी की सूचना प्राप्त हो रही थी। विभाग ने टीम को मौके पर पहुंचकर छापेमारी कराई। जहां एबीआर सुपरमोर्ट में दो बच्चे मजदूरी करते पाए गए। वहीं एक-एक बच्चा चाइनीज हट, सैलून और यूडियो में मजदूरी करते मिले। बाल श्रमिकों में बालक व बालिका दोनों शामिल है। टीम ने दुकानों व रेस्त्रां से बच्चों को श्रम मुक्त कराकर उन्हें अभिभावकों को सौंप दिया है। साथ ही अभिभावकों से शपथ पत्र भी लिया है कि वह उन्हें पढ़ाई के लिए स्कूल भेजे ना कि मजूदरी पर।

ठेकेदार से पांच लाख लेकर गलत तरीके से बनाए बिल

एसडीओ समेत चार पर कार्रवाई; दो जूनियर इंजीनियर को नौकरी से निकाला

गुरुग्राम। गुरुग्राम नगर निगम की इंजीनियरिंग विंग में ठेकेदार से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेकर गलत तरीके से बिल बनाने के मामले में निगमायुक्त मुकेश कुमार आहूजा ने निगम अधिकारी और ठेकेदार पर सख्त कार्रवाई की। निगमायुक्त ने निगम में आउटसोर्स पर लगे दो जूनियर इंजीनियर को नौकरी से निकाल दिया, जबकि एसडीओ व कार्यकारी अभियंता को चार्जशीट कर दिया। इसके अलावा गली निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग करने पर ठेकेदार से 30 लाख रुपये भी वसूले जाएंगे। निगमायुक्त ने गुरुवार को कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए।

बता दें कि ठेकेदार की शिकायत के बाद छह माह से निगम की विजिलेंस विंग द्वारा इस मामले की जांच की जा रही थी। विजिलेंस की जांच में सभी अधिकारी दोषी पाए। विजिलेंस की जांच रिपोर्ट के आधार पर ही अधिकारियों पर यह कार्रवाई की गई है। मामले का खुलासा होने के बाद निगम अधिकारियों में खलबली मच गई है। निगमायुक्त के कार्यकाल में यह पहला ऐसा मामला है, जिसमें निगमायुक्त ने अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की है। गली बनाने के नाम पर ली गई थी रिश्वत नगर निगम की तरफ से मार्च 2020 में वार्ड-30 के गांव ग्वाल पहाड़ी की फिरनी के रास्ते को पक्का करने के लिए इंटरलॉकिंग टाइल को लेकर 30 लाख रुपये का टेंडर लगाया था। टेंडर में उर्वी इन्फ्राटेक की एजेंसी ने 20 फीसदी कम में आवेदन किया। ठेकेदार ने जब आधे से ज्यादा काम कर दिया तो ग्रामीणों ने काम रुकवा दिया। काम छह माह बंद रहने के बाद दिसंबर 2020 में ठेकेदार ने काम पूरा कर दिया। अधिकारियों ने ठेकेदार का बिल नहीं बनाया।

ठेकेदार ने निगमायुक्त को की थी शिकायत

एजेंसी के ठेकेदार सुनील ने निगमायुक्त को दी शिकायत में बताया कि दो साल से लगातार बिल बनाने की मांग करने के बाद जेई ने एक रनिंग बिल बनाने की बात कही। इस एवज में जेई व एसडीओ ने ठेकेदार से तीन लाख रुपये ले लिए। इसके बाद जब पूरा बिल बनाने की बात कही तो दो लाख रुपये की और मांग की गई। आरोप है कि अधिकारियों ने दो लाख रुपये तो ले लिए, लेकिन उसका बिल नहीं बनाया।

पुरुषों को शाकाहारी बनाने के लिए 'पेटा' ने की महिलाओं से अपील

पुरुषों के खिलाफ होगी सेक्स स्ट्राइक

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। पशु कल्याण संगठन (पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) ने कहा कि महिलाओं को धरती बचाने के लिए मीट खाने वाले पुरुषों के साथ सेक्स करने से मना कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्यादा मांस खाने वाले पुरुष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। वहीं मांसाहारी पुरुषों पर सेक्स स्ट्राइक के आह्वान ने जर्मनी में आक्रोश पैदा कर दिया है।

पेटा ने पुरुषों को मीट खाने से रोकने का एक नायाब तरीका सोचा है। पुरुषों को शाकाहारी बनाने के लिए पशु कल्याण संगठन ने महिलाओं से अपील की है कि मांस खाने वाले पुरुषों के खिलाफ सेक्स स्ट्राइक पर जाएं। अगर महिलाएं ऐसा करती हैं तो पुरुष मीट छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं। जर्मनी में पशु कल्याण संगठन (पीईटीए) ने वहां की महिलाओं से अपील की है कि मांसाहारी पुरुषों के साथ शारीरिक संबंध बनाने से इनकार करें और सेक्स स्ट्राइक पर चलीं जाएं।

मिली जानकारी में द टेलीग्राफ के अनुसार, पेटा ने कहा कि सेक्स स्ट्राइक दुनिया को बचाने और टॉक्सिक मसकुलैनिटी को समाप्त करने में मदद कर सकती है। दरअसल पेटाकी जर्मन ब्रांच के प्लॉस वन पत्रिका में पिछले साल प्रकाशित एक रिसर्च में कहा गया कि, पुरुष महिलाओं की तुलना में ज्यादा मांस खाते हैं। पेटा ने इसी कारण का हवाला देते हुए कहा कि लोगों का बच्चे पैदा करने पर प्रतिबंध लगाना जरूरी है। हम प्रति बच्चा 58.06 टन कार्बन उत्सर्जन बचा सकते हैं। साथ ही पेटा ने धरती को तापमान बढ़ने से बचाने के लिए मीट पर 41 फीसदी टैक्स लगाने की भी मांग की है। पेटा ने पुरुषों को मीट खाने से रोकने का एक नायाब तरीका सोचा है। पुरुषों को शाकाहारी बनाने के लिए पशु कल्याण संगठन ने महिलाओं से अपील की है कि मांस खाने वाले पुरुषों के खिलाफ सेक्स स्ट्राइक पर जाएं। अगर महिलाएं ऐसा करती हैं तो पुरुष मीट छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं। नाटक में उन महिला कैरेक्टर को तब तक सेक्स स्ट्राइक पर जाने के लिए कहा जाता है जब तक उनके पति पेलोपोनेसियन युद्ध के शांतिपूर्ण अंत के लिए बातचीत करने को नहीं तैयार हो जाते। रिसर्च में कहा गया कि मांस खाने वाले लोग ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करते हैं, ऐसे में महिला की तुलना में पुरुष वातावरण को 41 प्रतिशत ज्यादा प्रदूषित करते हैं।

बाजार-अस्पताल के आसपास पार्किंग के लिए सर्वे होगा

एजेंसी

नोएडा। शहर में स्कूल, कॉलेज, बाजार, अस्पताल आदि के पास लगने वाले जाम की समस्या को देखते हुए इनके आसपास पार्किंग व्यवस्था देने के लिए सर्वे कराया जाएग। जहां पार्किंग की जरूरत होगी, वहां पर व्यवस्था कराई जाएगी। नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ने नोएडा ट्रैफिक सेल को सर्वे कराने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

सीईओ रितु माहेश्वरी ने बताया कि जिन स्थानों पर पार्किंग की जरूरत होगी, वहां पर सरफेस पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए क्लस्टर तैयार कर पार्किंग के टेंडर निकाले जाएंगे। उन्होंने नोएडा ट्रैफिक सेल को निर्देश दिया कि सभी वर्क सर्किल से समन्वय कर अवैध पार्किंग व वाहनों के खिलाफ अभियान शुरू किया जाए। इसमें पुलिस का भी सहयोग लिया जाए। सीईओ ने कहा कि वर्क सर्किल-1 और 2 के अंतर्गत सभी बहुमंजिला पार्किंग से प्राप्त होने वाली आय को बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। आय से ज्यादा खर्चा न किया जाए। पार्किंग में अधिक से अधिक गाड़ियां खड़ी कराने के लिए कहा गया। पार्किंग से गंतव्य तक पहुंचाने के लिए बेहतर रूप से ई-रिक्शा की सुविधा देने के निर्देश दिए गए हैं।

दिनकर राष्ट्रीय चेतना के प्रतिनिधि कवि थे : कुमार निर्मलेन्दु

आनंद राय/गौरवशाली भारत

वसुधैव कुटुम्बकम ही मुकम्मल राष्ट्रवाद है : प्रो. वी के राय

नई दिल्ली। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर राष्ट्रीय चेतना के प्रतिनिधि कवि थे. उन्होंने अपने साहित्य सृजन के शुरुआती दौर में प्रखर राष्ट्रीय चेतना को अभिव्यक्ति प्रदान की. उनकी राष्ट्रीयता स्वाभाविक है. उक्त उद्गार व्यक्त करते हुए आज दिनांक 23 सितंबर को स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वर्तमान परिदृश्य में राष्ट्रवाद और रामधारी सिंह दिनकर विषयक संगोष्ठी मेंश्री कुमार निर्मलेन्दु ने मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान देते हुए व्यक्त किया. उन्हों ने दिनकर के साहित्यिक अवदान का विस्तृत समीक्षा परक लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए उन्हें विद्रोह का कवि तथा शोषित-वंचित समूह की प्रतिध्वनि बताया. संगोष्ठी में अपना विशिष्ट वक्तव्य देते हुए डॉ. विनय कुमार दुबे ने कहा कि राष्ट्रवाद या राष्ट्रीयता हमे हमारे कर्तव्यों के प्रति उन्मुख करती है. दिनकर की रचनावली को उद्धरित करते हुए उन्होंने कहा कि कर्म से बड़ा कोई राष्ट्रवाद नही है. कार्यक्रम में अपना संबोधन देते हुए डॉ. श्रीकांत पांडेय ने कहा कि दिनकर के राष्ट्रवाद का फलक बहुत व्यापक है. उन्होंने दिनकर को भारतीय सभ्यता एवम संस्कृति का समावेशी कवि बताया. दिनकर की हुंकार और कुरुक्षेत्र की पंक्तियों को उधृत करते हुए डॉ. पांडेय ने उन्हें राष्ट्रीयता से ओतप्रोत तथा गरीबी, असमानता, सामाजिक भेदभाव जैसे मुलभु विन्दुओं पर सकारात्मक सोच वाला साहित्यकार बताया. डॉ. उमा शर्मा ने अपने संबोधन में राष्ट्रवाद की प्राचीन अवधारणा को रेखांकित करते हुए उसके ऐतिहासिक स्वरूप की विवेचना प्रस्तुत की. उन्होंने दिनकर के साहित्य के तार को ऋग्वेद की ऋचाओं से जोड़कर उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व को व्यवष्ठित रूप से उद्घाटित करने का प्रयास किया. संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सतीश कुमार राय ने दिनकर को मानवीय संवेदना से पूर्ण कवि बताया. डॉ. राय ने राष्ट्रवाद के पक्ष और प्रतिपक्ष से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों पर गंभीर विमर्श की आवश्यकता बताई. कार्यक्रम में डॉ विजय कुमार ओझा तथा सुश्री सौम्या वर्मा ने अपने गीतों से संगोष्ठी को सरस बनाने का प्रशसनीय कार्य किया. स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा ने अपने संगीतमय स्वागतगीत से मंचस्थ अतिथियों सहित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. महाविद्यालय के प्राचार्य और संगोष्ठी के संरक्षक प्रो. वी के राय ने राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा ही भारतीय परिप्रेक्ष में मूकम्मल राष्ट्रवाद है. साथ ही कर्तव्य के प्रति समर्पण सच्चे राष्ट्रवाद का द्योतक है. कार्यक्रम का कुशल संचालन अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय राय ने किया. कार्यक्रम में प्रो. राम नगीना सिंह यादव, प्रो. गायत्री सिंह, प्रो. अवधेश नारायण राय, डॉ. विलोक सिंह, डॉ. कृष्णा नंद चतुर्वेदी, डॉ. मधुसूदन मिश्र, प्रो. राम धारी राम, निवेदिता सिंह, तूलिका श्रीवास्तव, सुधीर कुमार प्रधान,प्रमोद श्रीवास्तव, अवधेश पांडेय, ओम प्रकाश राय, प्रवीण राय, डॉ. नारनारायन राय, अजय कुमार सिंह, संजय कुमार, सुरेश कुमार प्रजापति आदि उपस्थित थे.

सेवा पखवाड़े के अंतगर्त दक्षिणी दिल्ली जिले में सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में 3 सेवा कार्य एवं विभिन्न प्रांतो के लोगों का सम्मेलन

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली सांसदरमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू सेवा पखवाड़े के सातवें दिन दक्षिणी दिल्ली जिले में बदरपुर, तुगलकाबाद, कालकाजी, संगम विहार एवं देवली विधान सभा के विभिन्न प्रांतो के निवासियों का सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मिलन सम्मेलन ग्रैन्डड्रीम्स बैंक्वेट, मोदी मिल, ओखला में आयोजित किया गया। इस कायर्क्रम में लगभग 500 से 600 की संख्या में अलग-अलग समाज के लोग सम्मिलित हुए। इस दौरान विभिन्न प्रांतो के लोकनृत्य कलाकारों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियों व रंगारंग सांस्कृतिक कायर्क्रम का लोगों ने भरपूर लुत्फ उठाया।

इसके बाद सांसद रमेश बिधूड़ी ने अपने सम्बोधन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा पिछले 8 वर्षों में राष्ट्रहित व जनहित में किए गए कार्यों व उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में उपस्थित लोगों को विस्तार से जानकारी दी।

पालम गॉव डाकघर में प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना के अंतगर्त खुलवाये गए 300 कन्याओं के खाते

सेवा पखवाड़े के अंतगर्त आज श्री रमेश बिधूड़ी ने दक्षिणी दिल्ली लोक सभा क्षेत्र के पालम गॉव डाकघर में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बेटियों के उत्थान व सम्मान में बनाई गई सुकन्या समृद्धि योजना के तहत कैम्प लगवाकर लगभग 300 कन्याओं का योजना में खाता खुलवा उन्हें पास बुक प्रदान की। इसके पश्चात बिधूड़ी योजना के लाभ के विषय में लोगों बताया। बिधूड़ी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने बेटियों के सम्मान व बेटी पैदा होने पर माँ को परिवार द्वारा किसी भी प्रकार का अपमान ना झेलना पड़े व बेटी माता-पिता को बोझ ना लगे इसकी चिंता करते हुए बैंको को आदेश दिया की किसी भी बेटी की आयु 9 वर्ष की होने पर अभिभावकों द्वारा उसका खाता सुकन्या योजना में खोला जा सकता है जिसमें उनके द्वारा अपनी कमाई से एक हजार रूपये प्रति माह जमा कराना है, जब बेटी की आयु 18 से 21 वर्ष की होने पर अगर उसकी शादी करनी है तो 6.50 लाख रूपये शादी के लिए सरकार देगी, वह कर्ज नहीं होगा, बल्कि बेटी की शादी के लिए होगा, यदि बेटी पढ़ना चाहती है तो उसकी 18 वर्ष की आयु होने पर आधा पैसा 50 प्रतिशत राशि पढ़ाई के लिए भी निकाली जा सकती है। जिससे बेटी की पूरी जिम्मेदारी व उसके उज्जवल भविष्य की चिंता अब मोदी सरकार की हुई।

तुगलकाबाद गॉव में जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु की गई जोहड़ों की सफाई

सेवा पखवाड़े की इस कड़ी में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए आज तुगलकाबाद गॉव स्थित जोहड़ों/तालाबों की साफ-सफाई की गई और साथ ही जल संरक्षण के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक भी किया गया। इस दौरान दिल्ली प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व प्रदेश जल संरक्षण कायर्क्रम प्रमुख श्री विक्रम बिधूड़ी सहित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामवासियों ने मिलकर स्वच्छता अभियान चलाया।

शौचालय घोटाले की प्रारंभिक जांच कर उपराज्यपाल तुरंत प्रभाव से एफआईआर दर्ज करवाऐं : चौ0 अनिल कुमार

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन की आवाज उठाने वाले अरविन्द केजरीवाल की दिल्ली सरकार के 8 वर्षों के शासन में लगातार एक के बाद एक भ्रष्टाचार मामलों को दिल्ली कांग्रेस दिल्लीवासियों के सामने उजागर कर रही है।

शराब घोटाले, डीटीसी बस खरीद और रख-रखाव घोटाला, क्लास रुम घोटाले के बाद मनीष सिसोदिया के संरक्षण में अब दिल्ली शहरी आश्रय विकास बोर्ड का शौचालय घोटाला दिल्ली कांग्रेस ने उजागर किया है जिसकी शिकायत हमने दिल्ली के उपराज्यपाल से मुलाकात में कर दी है। जिसमें दिल्ली कांग्रेस ने मांग की है कि उपराज्यपाल जल्द से जल्द शौचालय घोटाले की प्रारंभिक जांच कर एफआईआर दर्ज करे तथा मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल घोटालेबाज मंत्री मनीष सिसोदिया का इस्तीफा लें।

प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने यह बयान दिया।

संवाददाता सम्मेलन में स्लम एनजीओ के प्रतिनिधि श्री मुकुट बिहारी अग्रवाल, राजेश सिंह, अतुल कुमार सिंह और सुनील गुप्ता व कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चेयरमैन अनुज आत्रेय व भी मौजूद थे। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के जे.जे. कलस्टर एवं स्लम क्षेत्रों में शौचालयों की सुविधा देने के लिए डूसीब 725 शौचालयों के 23000 डब्लू.सी. शीटों के रख-रखाव का काम करता है जिस पर 42 करोड़ का वार्षिक खर्च आता है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए ई-पोर्टल की जगह GeMपोर्टल पर टेंडर डालकर सिर्फ एक कम्पनी को फायदा पहुँचाने के लिए नियमों को ताक पर रखकर टेंडर करने में मनीष सिसोदिया की दिलचस्पी बड़े भ्रष्टाचार को उजागर करती है।

उन्होंने कहा कि सिसोदिया ने यह टेंडर उसी कम्पनी को दिया जिसे उन्होंने 27 जनवरी, 2022 को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया था, जिसे 10 मई, 2022 को प्रतिबंधित किया गया।

बारिश में जमीन पर रखे ट्रांसफार्मर से करंट उतरने का खतरा

गाजियाबाद। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर जमीन पर रखे हुए हैं। बारिश का पानी ट्रांसफार्मरों के नीचे भरने से करंट उतरने का खतरा बना है, लेकिन विद्युत निगम के अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है। लोगों का आरोप है कि शिकायत के बावजूद अधिकारी ट्रांसफार्मर को रखने की सही व्यवस्था नहीं करा रहे हैं। निगम के मिली जानकारी के मुताबिक, विद्युत आपूर्ति के लिए जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 28 हजार ट्रांसफार्मर हैं। इनमें से बड़ी संख्या में ट्रांसफार्मर खुले में बिना बाउंड्री के रखे हैं। बारिश से इन ट्रांसफार्मर के नीचे पानी भर गया है। इससे आसपास करंट उतरने की आशंका है। नियम के अनुसार, ट्रांसफार्मर को चबूतरे पर रखने के साथ चारों ओर लोहे का जाल लगा होना चाहिए, जिससे वह लोगों की पहुंच से दूर रहे। विजयनगर के भीमनगर में दो ट्रांसफार्मर खतरनाक स्थिति में हैं। विजयनगर सेक्टर-9 के आरडब्ल्यूए सचिव एसपी त्यागी ने बताया कि कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर सही स्थिति में नहीं हैं। इसको लेकर संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत कर चुके हैं। शहर के मालीबाड़ा, महेंद्रा एंक्लेव, शांतिनगर, संतोष अस्पताल के पीछे भी जमीन पर खुले में ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं। इसके अलावा लोनी, मुरादनगर व डासना-मसूरी में इस तरह की समस्या है।

संपादकीय

खेल और खेल के साथ होता खिलवाड़

युवाओं में खेल–कूद को बढ़ावा देने के लिए सरकारें अनेक योजनाएं चलाती हैं। मकसद है कि क्षेत्रीय स्तर पर खेल प्रतियोगताओं के माध्यम से श्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए हर जिले में खेल अधिकारी नियुक्त हैं, जो खिलाड़ियों के कौशल को निखारने की जिम्मेदारी निभाते हैं।

मगर हमारे देश में सरकारी योजनाएं किस तरह भ्रष्टाचार और कदाचार का शिकार हो जाती हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए चलाई जा रही योजनाएं भी इससे अछूती नहीं हैं। इसका ताजा उदाहरण उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में आयोजित एक खेल प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए तैयार भोजन को शौचालय में रखने की घटना है। जब उस घटना का वीडियो बड़े पैमाने पर प्रसारित हो गया, तब प्रशासन की नींद खुली और खुद जिलाधिकारी ने घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपी।

सरकार ने तत्काल संबंधित अधिकारी को निलंबित और भोजन की व्यवस्था संभालने वाले ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने सारे जिला खेल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि खिलाड़ियों की सुविधाओं के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मगर इस घटना और सरकार की सख्ती से दूसरे जिला खेल अधिकारियों ने कितना सबक सीखा होगा, कहना मुश्किल है।

खेल के नाम पर खेल संघों, स्टेडियमों, खेल प्रशिक्षण केंद्रों आदि में खिलाड़ियों की सुविधाओं का कितना ध्यान रखा जाता है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि समय–समय पर भोजन की गुणवत्ता, मात्रा, खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों के बर्ताव आदि को लेकर शिकायतें आम हैं। दरअसल, ज्यादातर जगहों पर खिलाड़ियों को भोजन उपलब्ध कराने का काम ठेकेदारों के माध्यम से किया जाता है।

खासकर जब खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं, तो भोजन की व्यवस्था ठेकेदार ही करते हैं। यह छिपी बात नहीं है कि ठेका देने में किस तरह कमीशनखोरी शामिल होती है। जाहिर है, इस तरह ठेकेदार भोजन की गुणवत्ता गिरा कर अपनी कमाई बढ़ाने का प्रयास करते हैं। घटिया आहार उपलब्ध कराते हैं। कम से कम कारीगरों से काम चलाना चाहते हैं। सहारनपुर वाले मामले में भी यही हुआ।

तीन सौ खिलाड़ियों के लिए भोजन तैयार करने को मात्र दो कारीगर रखे गए थे। हद तो यह कि तैयार भोजन शौचालय में रखवाया गया, जहां से लेकर खिलाड़ियों को खाना था। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब भोजन रखने में साफ–सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता, तो उसे तैयार करने में कितना ध्यान दिया जाता होगा।

सहारनपुर की घटना से एक बार फिर यह उजागर हुआ है कि खेलों को प्रोत्साहन देने की जिम्मेदारी निभाने वाले खुद किस तरह का खेल करते हैं और उनके मन में खिलाड़ियों के प्रति कितना सम्मान है। जब वे खिलाड़ियों को ठीक से भोजन नहीं करा सकते, उनके खानपान में साफ–सफाई का ध्यान नहीं रख सकते, तो भला उनके मन में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का संकल्प कितना दृढ़ होगा।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि खेल अधिकारियों को इस बात की जानकारी नहीं होगी कि खिलाड़ियों के जीवन में आहार की क्या अहमियत होती है, खराब गुणवत्ता और दूषित भोजन से उनकी सेहत पर क्या असर पड़ सकता है। मगर उन्हें योजना के पैसे में हेराफेरी और खिलाड़ियों के प्रति उपेक्षा का भाव इस तकाजे पर कभी गंभीरता से सोचने का अवसर ही नहीं देता। खिलाड़ियों की सेहत और प्रतिभा के साथ खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर सख्त नजर बहुत जरूरी है।

भारत युवा शक्ति का देश

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 135 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निसंदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेंगे। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छा आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है।

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की घटना ने छात्रावासों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े किये हैं?

ललित गर्ग

पंजाब के मोहाली में जो भी हुआ वह शिक्षा के क्षेत्र में काफी शर्मनाक और दुखद है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए बल्कि समाज के लिए भी घातक साबित हो रहा है।

पंजाब के मोहाली में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कथित अश्लील वीडियो लीक मामले ने समूचे राष्ट्र को हिला कर रख दिया। कई छात्राओं का आपत्तिजनक वीडियो बनाने और उसे अन्य लोगों को भेजने की जो यह शर्मनाक एवं चिन्ताजनक घटना सामने आई है, वह कई स्तर पर दुखी और हैरान करने के साथ–साथ ऊच्च शिक्षण संस्थानों की अराजक एवं असुरक्षित होती स्थितियों का खुलासा करती है। यह खौफनाक हरकत पीड़ित लड़कियों के सम्मान और उनकी जिंदगी से भी खिलवाड़ है। इन शिक्षा के मन्दिरों में संस्कार, ज्ञान एवं आदर्शों की जगह आज की युवा पीढ़ी का मस्तिष्क किस हद तक प्रदूषित हो गया है, अश्लील वीडियो प्रकरण उसकी भयावह प्रस्तुति है। यह एक गंभीर मसला है जिस पर मंथन किया जाना अपेक्षित है।

अब तक जैसी खबरें आई हैं, उस संदर्भ में यह समझना मुश्किल है कि वहां पढ़ने वाली एक लड़की ने ही कई अन्य लड़कियों के नहाने के क्रम में चुपके से वीडियो बनाया तो उसके पीछे उसकी कौन–सी मंशा काम कर रही थी। अगर उसने अपने किसी दोस्त के कहने पर ऐसा किया तो उसका अपना विवेक क्या कर रहा था! इस प्रकरण को लेकर यूनिवर्सिटी की छात्राओं में आक्रोश होना स्वाभाविक है। उनके अभिभावक चिंतित हैं। पिछले दो दिन से जमकर बवाल मचा हुआ है। हजारों छात्राएं इंसाफ की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। यूनिवर्सिटी को एक हफ्ते के लिए बंद कर दिया गया है। यद्यपि पंजाब पुलिस ने कथित अश्लील वीडियो बनाने वाली छात्रा, उसके ब्वाय फ्रैंड और उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। होस्टल के सभी वार्डनों का तबादला कर दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए ये उपाय ज्यादा कारगर नहीं कहे जा सकते। इसीलिये छात्राओं और उनके अभिभावकों की चिंता और गुस्सा शांत होता दिखाई नहीं दे रहा।

हमारे उच्च शिक्षण संस्थान हिंसा, ड्रग्स, नशा, अश्लीलता एवं अराष्ट्रीयता को पोषण देने के केन्द्र बनते जा रहे हैं। मोहाली में जो भी हुआ वह शिक्षा के क्षेत्र में काफी शर्मनाक और दुखद है। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जिस तरह का वातावरण बन रहा है, वह न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए बल्कि समाज के लिए भी घातक साबित हो रहा है। कौन नहीं जानता कि पंजाब के विश्वविद्यालय में और कॉलेज कैंपस में न केवल ड्रग्स उपलब्ध है बल्कि युवा पीढ़ी कई तरह के व्यसनों की शिकार है। इन परिसरों में छात्राओं के साथ अश्लील एवं आपत्तिजनक उत्तेजक दृश्य आम बात है। इस प्रकार की रिपोर्टें मिलती रही हैं कि एक लोकप्रिय और प्रतिष्ठित

यूनिवर्सिटी के होस्टल में हथियार बरामद हुए और वहां से कुछ अवांछित तत्वों की गिरफ्तारी भी हुई लेकिन ऐसी खबरें भी दबा दी जाती हैं क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन का दबदबा हर जगह है। इस यांत्रिक युग ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को पूरी तरह प्रदूषित कर दिया। जहां एक ओर तकनीकी क्षेत्र में हमारा उत्थान हुआ है वहीं दूसरी ओर हमारा नैतिक रूप से पतन भी हुआ है। देश के मासूम, नवजवान विशेषत: छात्राएं रोज अपने जीवन एवं जीवन के उद्देश्यों को स्वाह कर रहे हैं।

कॉलेज कैंपस में उठने वाली इन अश्लीलता, कामुकता हिंसा एवं नशे की घटनाएं केवल धुआं नहीं बल्कि ज्वालामुखी का रूप ले रही है। जो न मालूम क्या कुछ स्वाह कर देगी। जो न मालूम राष्ट्र से कितनी कीमत मांगेगी। देश की आशा जब किन्हीं मौज–मस्ती, संकीर्ण एवं अराष्ट्रीय स्वार्थों के लिये अपने जीवन को समाप्त करने के लिए आमादा हो जाए तो सचमुच पूरे राष्ट्र की आत्मा, स्वतंत्रता के 75 वर्षों की लम्बी यात्रा के बाद भी इन स्थितियों की दयनीयता देखकर चीत्कार कर उठती है। छात्र जीवन की इन घटनाओं ने देश के अधिकांश विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों को इतना अधिक उद्वेलित किया है जितना कि आज तक कोई भी अन्य मसला नहीं कर पाया था। क्यों अश्लीलता एवं अराजकता पर उतर रहा है देश का युवा वर्ग? शिक्षा के माध्यम से केवल भौतिक संपन्नता एवं उच्च डिग्रियां प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं होता, शिक्षा द्वारा हम एक अच्छे इंसान और बेहतर नागरिक भी बनने चाहिएं। इसके लिए अपनी शालीन परंपरा, आदर्शों व जीवन मूल्यों से जुड़ना आवश्यक हो जाता है। मानसिक विकास के बिना भौतिक विकास सार्थक नहीं हो सकता है।

अक्सर ऐसे मामलों में पुलिस एवं कालेज प्रशासन सत्य को छिपाने एवं दबाने के प्रयास करते हैं। यही मोहाली में देखने को मिल रहा है, जिसके कारण छात्राओं का भरोसा पुलिस और यूनिवर्सिटी प्रशासन से उठ चुका है और वे होस्टल छोड़कर घरों को वापिस लौटने लगी हैं। अब बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं कि क्या जमकर हुआ बवाल महज अफवाह पर आधारित था या इसमें कोई सच्चाई है। छात्राओं का दावा है कि कम से कम 60 छात्राओं के वीडियो बनाए गए हैं। तरह–तरह की कहानियां सामने आ रही हैं, जितने मुंह उतनी बातें। सच सामने आना ही चाहिए लेकिन सच तभी सामने आएगा जब इस केस की जांच निष्पक्ष एवं ईमानदार ढंग से होगी। अर्ध सत्य कभी–कभी पूर्ण सत्य से भी ज्यादा खतरनाक हो जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की सहज उपलब्धता एक ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने आ खड़ी हुई है। एक के बाद एक एमएमएस स्कैंडल सामने आ रहे हैं।

दरअसल समस्या यह भी है कि अभिभावक छोटी उम्र में ही बच्चों को स्मार्ट फोन इस्तेमाल करने की आदतें डाल रहे हैं। इसका आगे चलकर बच्चों की मासूम मानसिकता पर गलत प्रभाव पड़ता है। स्मार्ट फोन पर आसानी से उपलब्ध अनुचित एवं अश्लील सामग्री से बच्चों को दूर रखना बहुत जटिल होता जा रहा है। आज के बच्चे किशोर तो होते ही नहीं बल्कि बचपन से सीधे युवा हो रहे हैं। सोशल साइटों पर और अन्य वेबसाइटों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का प्रभाव व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक देखने को मिल रहा है और आज के शिक्षण संस्थान उससे अछूते नहीं हैं।

मोहाली प्रकरण में प्याज के छिल्कों की तरह अब सच धीरे–धीरे सामने आने लगा है और कहानी के कई कोण उभरने लगे हैं। क्या यह सारा प्रकरण लड़कियों को ब्लैकमेल करने के लिए किया गया। अब एक और अन्य लड़की का वीडियो मिलने से पुलिस के बयानों एवं मामले की सत्यता भी सामने आ रही है कि पुलिस किस तरह सच को झूठ ठहरा रही है। अगर इसके पीछे कोई और व्यक्ति या समूह है तो उसे भी कानून के कठघरे में लाया जाना चाहिए। किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की यह मांग होगी कि अगर ये आरोप साबित होते हैं तो कानून के मुताबिक दोषियों को सख्त सजा मिले। लेकिन सवाल यह भी है कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए जो छात्रावास बनाए गए हैं, उसमें नहाने की वह कैसी व्यवस्था है कि किसी छात्रा या अन्य व्यक्ति को चुपके से वीडियो बना लेने का मौका मिल जाता है?

छात्राओं की अस्मिता एवं इज्जत का ख्याल रखते हुए ही समुचित व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अगर इस तरह की असुरक्षित और लापरवाही भरी परिस्थिति में छात्राओं को रहना पड़ता है तो इसकी जिम्मेदारी किस पर आती है?

इस तरह की व्यवस्था से जुड़े प्रश्नों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासतौर पर जब ऐसी घटना होने की खबर आ चुकी है। यह छिपा नहीं है कि हमारे सामाजिक परिवेश में आजकल बहुत सारे लोगों के हाथ में कैमरे से लैस स्मार्टफोन तो आ गए हैं, लेकिन इसके इस्तेमाल और इसके जोखिम को लेकर बहुत कम लोग जागरूक हैं।

ज्ञानवापी को सुनवाई के योग्य मानने का फैसला महत्वपूर्ण

अवधेश कुमार

वाराणसी जिला न्यायालय द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद मामले को सुनवाई के योग्य माननीय को गलत बताने वाले न्यायालय को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वास्तव में यह महत्वपूर्ण फैसला है। सामान्य तौर पर देखें तो कहा जा सकता है कि इतने सघन विवाद का मामला न्यायालय में है तो उसको सुनवाई के योग्य करार देना बिलकुल स्वाभाविक है। किंतु मुस्लिम पक्ष की ओर से मुकदमा लड़ रहे अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने इसी बात पर पहली कानूनी लड़ाई लड़ी कि यह मामला सुनवाई के योग्य है ही नहीं। जिस तरह के तर्क न्यायालय में दिए गए उनसे एकबारगी लगने लगा था कि कहीं मामला उलझ न जाए। मुस्लिम पक्ष इसके विरुद्ध उच्च न्यायालय जा रहा है, किंतु इससे जिला न्यायालय में मामले की सुनवाई नहीं रुक सकती। यहां मुख्य मामले की सुनवाई जारी रहेगी। इस फैसले के बाद वाराणसी के गंगा घाट पर जैसा उत्सव का दृश्य दिखा और पूरे देश में हिंदुओं ने जैसा उत्साह प्रदर्शित किया उससे समझा जा सकता है कि ज्ञानवापी मामले पर किस तरह की सामूहिक भावना देश में मौजूद है।

आइए पहले यह देखें कि न्यायालय में क्या–क्या तर्क दिए गए। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि पूजा स्थल कानून, 1991 के अनुसार धर्म स्थल का स्वरूप नहीं बदला जा सकता। जैसा हम जानते हैं यह कानून बताता है कि 15 अगस्त, 1947 से पहले जो धर्म स्थल जैसा था वैसा ही रहेगा। हालांकि इसी कानून में उसके अपवाद भी दिए गए हैं। उनका यह भी कहना था कि ज्ञानवापी में सैकड़ों सालों से नमाज हो रही है इसलिए इस कानून की धारा 4 के तहत इस मामले में मुकदमे की सुनवाई को रोका जाना चाहिए। इनका एक तर्क यह भी था कि ज्ञानवापी वक्फ की संपत्ति है। वक्फ कानून की धारा 85 के अनुसार वक्फ संबंधी मामलों की सुनवाई सिविल न्यायालय में हो ही नहीं सकती। तीसरा तर्क यह दिया था कि 1983 के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कानून के प्रावधानों के तहत न्यायालय सुनवाई नहीं कर सकती उन्हें। इसके विरुद्ध हिंदू पक्ष ने तर्क दिया कि ज्ञानवापी की नींव में विश्वेश्वर का मंदिर है। ऊपर का जो ढांचा बिल्कुल अलग है। दो, जब तक किसी स्थान का धार्मिक स्वरूप तय नहीं हो जाता तब तक पूजा स्थल कानून प्रभावी नहीं माना जा सकता। यानी इस स्थान का धार्मिक स्वरूप क्या है यह मंदिर है या मस्जिद है जब तक यह तय नहीं होता तब तक कैसे आप उस कानून को प्रभावी मानेंगे। तीन, वक्फ के संबंध में हिंदू पक्ष ने दलील दिया कि औरंगजेब ने मस्जिद निर्माण के लिए वक्फ नहीं बनाया था। उसने ज्ञानवापी पर हमला कर उसे कब्जा किया था।

साफ है कि न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। न्यायालय का फैसला 26 पन्नों का है। न्यायालय ने पूजास्थल कानून के संदर्भ में भी अपना मत स्पष्ट किया है। इसने लिखा है कि हिंदू पक्ष का कहना है कि वे 15 अगस्त, 1947 के पहले से साल 1993 तक ज्ञानवापी में प्रतिदिन श्रृंगार गौरी की पूजा कर रहे थे। ऐसे में इस कानून की धारा 4 के अनुसार मामले की सुनवाई नहीं रोकी जा सकती। हिंदू पक्ष को अपने दावों को साबित करने के लिए साक्ष्य पेश करने का पूरा मौका मिलना चाहिए। वक्फ के बारे में न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि याची गैर मुस्लिम है और वह कानून से अनजान है।

ऐसे में धारा 85 इस मामले में लागू नहीं हो सकती। याचिका में सिर्फ पूजा की इजाजत मांगी गई है संपत्ति का स्वामित्व नहीं। काशी विश्वनाथ मंदिर कानून ,1983 के संदर्भ में भी न्यायालय की टिप्पणी महत्वपूर्ण है। इसने स्पष्ट कहा है कि पूजा के अधिकार के दावे सुनने के लिए कानून में निषेध नहीं है।

हिजाब अगर इतना ही जरूरी है तो मर्दों को भी यह पहनना चाहिए

यूरोप के तो कई देशों में हिजाब और बुर्के पर कड़ी पाबंदी है। जो इस पाबंदी को नहीं माने, उसको दंडित भी किया जाता है। बुर्के और हिजाब में चेहरा छिपाकर बहुत–से आतंकवादी, तस्कर और अपराधी लोग अपना काम–धंधा जारी रखते हैं। मुस्लिम औरतें हिजाब पहने या नहीं, इस मुद्दे को लेकर ईरान में जबर्दस्त कोहराम मचा हुआ है। जगह–जगह हिजाब के विरुद्ध प्रदर्शन हो रहे हैं। कई लोग हताहत हो चुके हैं। तेहरान विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने हड़ताल कर दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खोमनई के खिलाफ खुले–आम नारे लग रहे हैं। विभिन्न शहरों और गांवों में हजारों पुलिसवाले तैनात कर दिए गए हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान में शहंशाह के खिलाफ जो माहौल सन 1975–78 में देखने में आया था, उसकी पुनरावृत्ति हो रही है। कई बड़े शिया नेता भी हिजाब का विरोध करने लगे हैं। यह कोहराम इसलिए शुरू हुआ है कि महसा आमीनी (22 साल) नामक युवती को तेहरान में गिरफ्तार कर लिया गया था, क्योंकि उसने हिजाब नहीं पहना हुआ था। गिरफ्तारी के तीन दिन बाद 16 सितंबर को जेल में ही उसकी मौत हो गई। उसके सिर तथा अन्य अंगों पर भयंकर चोट के निशान थे। इस घटना ने ईरान की महिलाओं में रोष फैला दिया है। हजारों छात्राओं ने अपना हिजाब उतारकर फेंक दिया। आयतुल्लाह खुमैनी के शासन (1979) के पहले और बाद में मुझे ईरान में रहने और पढ़ाने के कई मौके मिले। शहंशाह–ईरान के राज में औरतों की वेश–भूषा में इतनी छूट थी कि तेहरान कभी–कभी लंदन और न्यूयार्क की तरह दिखाई पड़ता था। मेरे इस्लामी मित्रों में कई नेता, प्रोफेसर, पत्रकार और आयतुल्लाह भी थे। वे कहा करते थे कि हम शिया मुसलमान हैं। हम आर्य हैं। हम अरबों की नकल क्यों करें? अब तो ईरान में कट्टर इस्लामी राज है लेकिन लोग खुले–आम कह रहे हैं कि हिजाब, बुर्का, नक़ाब या अबाया को कुरान–शरीफ में कहीं भी जरूरी नहीं बताया गया है।

आओ तानों (तंज़) से मुकाबला करें

प्रशंसा, निंदा और तानों को सहज भाव में लेना मंजिल तक पहुंचने का मंत्र – यह तीनों ही क्षणिक प्रतिक्रिया मात्र

मानवीय स्वभाव की यह एक स्वाभाविक विशेषता रही है कि हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, यही हमारी आधुनिक डिजिटल युग में कमजोरी ज्ञात पड़ती है क्योंकि आज के प्रतियोगिता युग में अपने प्रतिद्वंदी को शाब्दिक पटखनी देने के लिए तानों तंज जैसे मजबूत कानूनी शेड प्राप्त हथियार और कोई नहीं है क्योंकि तानों और तंज से बिना किसी का नाम लिए शाब्दिक बाण छोड़े जाते हैं और तीर ठीक निशाने पर लगा और लक्षित व्यक्ति या पार्टी अवसाद में आई तो लक्ष्य भेदी व्यक्ति का मिशन सफल हो गया समझो!! और ताना या तंज ग्रहण करने वाले हम अवसाद में आ जाएंगे याने नुकसान हमें ही होगा। तानों, तंज की धमाचौकड़ी राजनीतिक व्यापारिक व्यवसायिक सामाजिक घरेलू और व्यक्तिगत स्तरपर भी खूब प्रचलित होते जा रही है क्योंकि इसमें नतो कोई टैक्स है और न ही कोई कानूनी झमेला!! बस कर दिया! हालांकि आजकल हम मीडिया के माध्यम से राजनीतिक क्षेत्र में इसका उपयोग, प्रयोग होते हुए अधिक देख रहे हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तानों तंज पर चर्चा कर उसका मुकाबला करने पर विचार करेंगे।

साथियों बात अगर हम तानां मारने या तंज कसने की परिभाषा की करें तो, ताना मारना या तंज कस नें का मतलब होता है उल्टी बात या ऐसी बात बोलना जिससे सुनने वाले को बुरा लगे, जब कोई किसी का उपहास उड़ाता है तब वह तंज कसता है। जब कोई किसी को पसन्द नही करता है या उससे जलता है, तो इस तरह से उस व्यक्ति को अपने आप से निचा दिखाने के लिए या उसे दुखी करने या चिढाने के लिए कुछ ऐसी वैसी बात कह देते है जो स्पष्ट रूप से अर्थ प्रकट नही करती है फिर भी उसका अर्थ चिडाने या दुखी करने जैसे कार्यो के लिए निकलता है । इस तरह की बात करने को व्यंग्य करना कहा जाता है ।और इसी तरह से जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के लिए किसी भी कारण से व्यंग्य करता है तो इसे ताना मारना कहा जाता है। व्यंग्य एक ऐसी विधा है जिसमें बातें कटाक्ष और हास्य का पुट लिये इशारों इशारों में होती हैं। ग़ज़ल और शायरी इशारों की ही विधा है। किसी घटना पर रचनात्मक इशारा करना एक विधा है, लेकिन शायरी में व्यंग्य बड़े तरीके से किया गया है।

साथियों बात अगर हम तंजकसने के नमूनों की करें तो,महान रचनाकर्ताओं नें खूब लिखा है, लीडरों की धूम है औरफॉलोवर कोई नहीं, सब तो जेनरेल हैं यहाँ आख़िर सिपाही कौन है, कोई हिन्दू कोई मुस्लिम कोई ईसाई है सब ने इंसान न बनने की क़सम खाई है , कोट और पतलून जब पहना तो मिस्टर बन गया, जब कोई तक़रीर की जलसे में लीडर बन गया , कब उन आँखों का सामना न हुआ, तीर जिन का कभी ख़ता न हुआ, 56 इंच चौड़ा सीना, 15 लाख बैंक खाते में जमा करना इत्यादि।

साथियों बात अगर हम मानवीय स्वभाव की करें तो, यह एक बहुत ही स्वभाविक विशेषताहै ।मानवीय स्वभाव की, की हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर निर्भर रहते है, अगर कोई हमारी प्रशंसा करता है तो, हम जिस बात के लिए हमारी प्रशंसा की है, उसको दोहराते है, जैसे कि किसी ने हमें सुंदर कहा तो, हम एक बार ज़रूर प्रशंसा करने वाले की नज़रों से आइने मैं देखते है, क्योंकि हम किसी की भी प्रशंसा को सच मानते है, और उसे देख कर या वैसा व्यवहार कर सत्यापित करते है। ठीक यही व्यवहार हम किसीके नकारात्मक व्यवहार के संदर्भ मैं भी करते है। कोई हमारी निंदा करे या ताने मारे या कटाक्ष करे तो हम तुरंत ही प्रतिक्रिया देते है, या तो ग़ुस्से मैं जवाब दे कर या विवाद कर के, लेकिन कई लोग अपने प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया का जवाब नहीं दे पाते है वे लोग अपना आत्म विश्वास खोकर अवसादग्रस्त हो जाते है।

साथियों इन सब से निपटने के लिए सबसे ज़रूरी है, हम कठपुतली न बने, प्रशंसा व निंदा दोनो को ही सहज भाव में ले , ये दोनो ही क्षणीक प्रतिक्रिया मात्र होती है। अगर हम दूसरों के व्यवहार से आहत होते है और यह बात जो हमको परेशान करना चाहते है , ताने मारते है तो हम उनके लिए ख़ुश होने के अवसर मुहेया करवा रहे है। हम उनकी मर्ज़ी और राय से जी रहे है। अगर कोई बार बार इस तरह का व्यवहार कर रहा है तो यह ज़रूर जानने की कोशिश करना चाहिए, कि आख़िर वो हमसे इस तरह का व्यवहार क्यों कर रहा है, ईर्ष्या , द्वेष या परपीड़ा में ख़ुशी ढूँढने का स्वभाव तो नहीं है , तो हम उन्हें ख़ुश होने का मोक़ा न दें , ख़ुद ही विश्लेषण करें, और जहाँ तक हो सके ऐसे लोगों की उपेक्षा करे , और उनकी किसी भी बात को महत्व न दे, हमारे इस तरह के व्यवहार से शायद कुछ दिनो बाद ताने मारने वाले लोग ख़ुद अवसादग्रस्त हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम उनके तानों के घेरे में आकर उन्हें बल देने की करें तो, जब हमने लोगों से तारीफें सुनकर अपने आप को गौरवान्वित और सुखी महसूस किया था, तभी हमने अपने जीवन की बागडोर उन्हें सौंप दी थी। हम उनके गुलाम हो गए। वे जब चाहें हमारी भर्त्सना करके हमें दुखी कर सकते हैं। हम अपने मालिक न रहे। वे पर्वत शिखर पर उठा सकते हैं तो फिर गहरी खाई में भी पटक सकते हैं। अहंकार दूसरों के ओपीनियन पर निर्भर करता है। इसलिये अभिमानी व्यक्ति सदैव चिंतित रहता है कि दूसरे मेरे बारे में क्या कहते हैं? क्या सोचते हैं? आपस में लोग मेरे विषय में पीठ पीछे क्या चर्चा करते हैं? मान–सम्मान देने वाले कहीं अपमान न करने लगें!

साथियों किसी ने यदि मुझे सुंदर कह दिया तो मैंने स्वयं को सुंदर मान लिया। किसी ने यदि मुझे बुद्धिमान कह दिया तो मैंने स्वयं को बुद्धिमान मान लिया। यह सब मान्यता का खेल है। इसमें कुछ यथार्थ नहीं है। अत: डर लगा ही रहता है कि कोई अपना वक्तव्य न बदल दे। कहीं दोस्त दुश्मन न बन जाये, प्रसंशक निंदक न बन जाये। वरना अवसाद की गर्त में मूर्ति जा गिरेगी। हमने कभी खुद को प्रेम नहीं किया। स्वयं से लगाव और आत्म–सम्मान कहां से होगा? अभी तो हम आत्मा को जानते ही नहीं। अपनी चेतना को पहचानते ही नहीं।

मैं भी तुम जैसा हु

मैं भी तुम जैसा हु अपने से जुदा
मत समझो
आदमी ही रहने दो खुदा मत
समझो।
ये जो मैं होस में रहता नहीं तुमसे
मिलकर
ये मेरा इसक है इसको तुम नशा
मत समझो।
रास ये आता हो सबको मोहब्बत
का मरज
मेरी बीमारी को तुम अपनी दवा
मत समझो।
बदलो की तरह बारिस की रहो

तुम मेरा गम हो आँख की पानी में
रहो।
मुझको मालूम है तुम इसक नहीं
कर सकते
तो हवस बनकर मेरे जिस्मानी में
रहो।
तुमसे दोबारा मोहब्बत तो नहीं हो
सकी
तुम मेरे साथ दुसमन जानी में रहो।
ये नई दुनिया दुनिया तुम्हे रास नहीं
आएगी
लौट कर आओ मेरी जान पुरानी में
रहो।

शार्ट न्यूज

वन अधिकारी को पार्षद की कार ने उड़ाया, गाड़ी में मिली शराब की बोतलें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दुबग्गा चौराहे के पास शुक्रवार सुबह बेकाबू कार की टक्कर लगने से वन दरोगा मनोज श्रीवास्तव की मौत हो गई। वह बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए दुबग्गा चौराहे आए थे। बस आने में देर थी, इसलिए पिता-पुत्री सड़क किनारे खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। तभी मुंशीगंज के पार्षद नरेंद्र यादव की कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार सवार लोग भाग निकले। वहीं, कार में से शराब की बोतल मिली हैं। वन विभाग में तैनात मनोज श्रीवास्तव सुबह करीब सात बजे बेटी नेहा को स्कूल छोड़ने के लिए घर से निकले थे। भाई अनिरुद्ध के मुताबिक बस का इंतजार कर रहे मनोज सड़क किनारे बाइक लगा कर खड़े हुए थे। उसी दौरान बालागंज की तरफ से आ रही कार ने उन्हें रौंद दिया। मनोज दर्द से तड़पने लगे। पिता को खून से लथपथ देख नेहा मदद की गुहार लगाने लगी। फिर राहगीर मौके पर पहुंचे। राहगीर महिलाओं ने नेहा को संभाला। वहीं, बाइक में टक्कर मार कर भाग रहे ड्राइवर और कार में बैठे व्यक्ति को दबोच लिया जो धक्का मार कर भाग निकले। कार पर मुंशीगंज पार्षद नरेंद्र यादव का पोस्टर लगा हुआ है।

मुरादाबाद : लापरवाही बरतने पर चौकी प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी तरीके अंकुश नहीं लगाने एवं आवश्यक निषेधात्मक कार्रवाई किए, जाने में लापरवाही बरतने को लेकर चौकी प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित कर दिये गये हैं। जिले के पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमंत कुटियाल ने ठाकुरद्वारा सर्किल के भगतपुर थाने की इस्लामनगर चौकी के प्रभारी विनोद कुमार, आरक्षी सुनील, आरक्षी आदित्य कुमार तथा आरक्षी नरेश कुमार के खिलाफ विभागीय जांच का आदेश देते हुए पांचों को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस्लाम नगर पुलिस चौकी क्षेत्र में गुरुवार को गोवंश अवशेष मिलने के बाद गोकशी रोकने में शिथिलता बरतने के आरोप में उक्त पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। गौरतलब है कि भगतपुर थाना क्षेत्र की इस्लाम नगर पुलिस चौकी इलाके में किशोरी से तथाकथित सामूहिक दुष्कर्म की झूठी घटना की आड़ में पीड़िता के नजदीकी रिश्तेदार फूफा द्वारा राजनीतिक प्रतिद्वंदिता के चलते रिपोर्ट दर्ज करायी थी। निलंबित पुलिसकर्मियों को घटना की तह तक नहीं जाने और सही तथ्यों तक पहुंचने में विफल रहने से महकमे की किरकिरी का जिम्मेदार माना जा रहा है।

देश में इस्लामिक कट्टरवाद को बढ़ावा दे रहा है पीएफआई : डॉ. सत्यपाल सिंह

बागपत। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद डा. सत्यपाल सिंह ने इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर देश में इस्लामी कट्टरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये यह संगठन सक्रिय है। डा सत्यपाल सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि पीएफआई देश का सबसे बड़ा कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन है। उन्होंने कहा कि वह पूरे देश में अपना नेटवर्क फैला चुके पीएफआई को जड़ से खत्म कर इस संगठन पर पाबंदी लगाये जाने की हिमायत करते हैं। डा सिंह बड़ौत स्थित दिगम्बर जैन कॉलेज में 'वोकल फ़ॉर लोकल' कार्यक्रम के तहत आयोजित प्रदर्शनी एवं बिक्री कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रदर्शनी में लगाये गए स्टॉल का निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने अधिकारियों से केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, घरेलू उत्पादों का प्रचार प्रसार करने तथा पैकेजिंग पर अधिक ध्यान देने को कहा। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने पीएफआई पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश में इस्लामिक कट्टरता को बढ़ावा देना का काम इस समय पीएफआई कर रहा है। देश के 11 राज्यों में एक साथ जिस तरह से पीएफआई के ठिकानों पर कार्यवाही की गई है, उसके लिए देश के गृह मंत्री अमित शाह बधाई के पात्र हैं। डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि पीएफआई की बढ़ती देश विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार गंभीर है और इस संगठन को जड़ें बाहर निकाली जायेंगी।

संतकबीरनगर : कस्टम विभाग ने 55 लाख रुपये की विदेशी सिगरेट बरामद की

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश में संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली थाना क्षेत्र में जिले की एसओजी और कस्टम विभाग की टीम ने छापेमारी कर राजस्थान के एक कंटेनर से लगभग 55 लाख रूपये कीमत की विदेशी सिगरेट बरामद की है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि राजमार्ग संख्या 28 पर नवीन मण्डी के निकट कोरिया की सिगरेट का जखीरा ट्रक से पकड़ा गया। कस्टम और पुलिस की टीम ट्रक चालक और खलासी को हिरासत में लेकर दोनों से पूछताछ कर रही है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क विभाग, गोरखपुर के अधीक्षक बीएस राणा ने यहां बताया कि मुखबिर के जरिए उन्हें सूचना मिली थी कि गुवाहाटी से दिल्ली के लिए कोरियन सिगरेट की बड़ी खेप राजस्थान में पंजीकृत ट्रक से भेजी रही है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने कर संतकबीरनगर पुलिस से मदद मांगी गई। संतकबीरनगर की एसओजी टीम की सहायता से खलीलाबाद शहर के निकट राजमार्ग पर ट्रक को पकड़ कर सिगरेट का जखीरा बरामद कर लिया गया। ट्रक में सिगरेटों को झाड़ू के ढेर के बीच 55 गत्तों में छिपा कर रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

जालौन : कच्चे घर की दीवार गिरने से पति की मौत, पत्नी घायल

उरई। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में विगत 36 घंटे से हो रही बारिश के कारण कच्चे मकानों के गिरने का सिलसिला जारी है। इस क्रम में जिले में थाना सिरसा के गांव लोहाई दिवारा में बीती देर रात दीवार गिरने से पति की मौत हो गयी और पत्नी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि कल देर रात गांव लोहाई दिवारा में 35 वर्षीय अखिलेश अवस्थी पुत्र दशरथ के मकान की दीवार ढहने से अखिलेश और उनकी पत्नी पूजा गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के लिये घायल दंपति को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान पति की मृत्यु हो गई। विगत 36 घंटे से अधिक लगातार मूसलाधार बारिश होने के कारण जनपद में पुराने एवं कच्चे मकान गिरने का सिलसिला जारी है इसी क्रम में थाना सिरसा प्रभारी निरीक्षक दिव्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि लोहाई दिवारा में अखिलेश अवस्थी पुत्र दशरथ उम्र लगभग 35 वर्ष अपने परिवार के साथ पुराने पुश्तैनी मकान में रहते हैं। मकान का एक हिस्सा बरसात के कारण गिर गया था। दूसरे हिस्से में अखिलेश की पत्नी पूजा खाना बना रही थी और वहीं दीवार के पास पति अखिलेश अवस्थी बैठे हुए थे। तभी दीवार भरभरा कर गिर गई। जिसके कारण पति पत्नी दीवार के नीचे दब गये। शोर सुनकर पड़ोसियों ने दोनों को मलबे से बाहर निकाल कर दोनों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर गंभीर रूप से घायल अखिलेश ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पत्नी का इलाज जारी है।

पीएफआई के ठिकानों पर उप्र में एनआईए की छापेमारी

लखनऊ। इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के देशव्यापी ठिकानों पर गुरुवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की छापेमारी के क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने भी राज्य में लखनऊ सहित अन्य स्थानों पर इस संगठन के ठिकानों पर छापेमारी कर तलाशी ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस कार्रवाई में पीएफआई से जुड़े विभिन्न ठिकानों की तलाशी के दौरान आठ लोगों को शक के आधार पर हिरासत में लिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एटीएस और एसटीएफ की टीमों ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ सहित अन्य स्थानों पर पीएफआई के ठिकानों की तलाशी एवं छापेमारी का अभियान बुधवार को देर रात शुरु कर दिया था। यह अभियान अभी भी जारी है। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान जिन आठ संदिग्धों को पकड़ा गया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में इन लोगों के खुलासे के आधार पर तलाशी अभियान को आगे बढ़ाने का फैसला किया जायेगा।

ओपी राजभर का अपने ही इलाके में घुसना मना

राजभर बस्ती के लोगों ने लगाया नो एंट्री का बैनर

घोसी (मऊ)। सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर की मुश्किलें अपने ही इलाके में बढ़ती दिखाई दे रही हैं। वाराणसी से लेकर गाजीपुर और मऊ से लेकर बलिया तक उनके सहयोगी पार्टी छोड़ रहे हैं। राजभर को सबसे बड़ा झटका मऊ में लगा था। अब उसी मऊ में उनके खिलाफ बैनर लग गया है।

राजभर बस्ती में लगे बैनर में ओपी राजभर की एंट्री बैन करने का संदेश लिखा गया है। बैनर पर साफ साफ लिखा है कि ओमप्रकाश राजभर को उक्त राजभर बस्ती में जाना मना है। मऊ की घोसी तहसील के पिढवल क्षेत्र के लाखीपुर गांव के तिलई मौजे के मुख्य द्वारा पर लगा यह बैनर चर्चा का विषय बना हुआ है। ओमप्रकाश राजभर अपने बिखरते जनाधार को बचाने के लिये जगह जगह जनसम्पर्क अभियान चला रहे हैं। अगले माह अक्टूबर में 18 तारीख को लाखीपुर में उनकी जनसभा का कार्यक्रम प्रस्तावित है। समाजवादी पार्टी से गठबंधन टूटने के बाद उनकी पार्टी में मची भगदड अभी खत्म भी नहीं हुई थी की मऊ में 18 तारीख को होने वाली जनसभा से पहले उन्हें एक और तगडा झटका लगा है।

स्थानीय तहसील इलाके के लाखीपुर के मौजा तिलई के राजभर बस्ती के ग्रामीणों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और रैली से पहले गांव के मुख्य द्वारा पर उनके खिलाफ बैनर लगा दिया है। बैनर पर लिखा है कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को राजभर बस्ती में जाना मना है। सामाजिक संगठन जनमत मोर्चा के अध्यक्ष मनोज राजभर के नेतृत्व में बैनर लगाया गया है।

मोर्चा के अध्यक्ष मनोज राजभर ने ऐसा बैनर लगाये जाने के सवाल पर कहा कि ओमप्रकाश राजभर ने राजभर समाज को ठगने का काम किया है। मनमाने तरीके से किसी भी दल से गठबंधन कर राजभर समाज का वोट लेकर ओमप्रकाश राजभर ने राजभर समाज को गर्त में धकेलने व स्वयं के लाभ के लिये अपना स्तर गिराने का काम किया है। राजभर समाज अब ओपी राजभर को सहन नहीं करेगा।

महिला सिपाही का एसएसपी कार्यालय के सामने आत्महत्या का ड्रामा, मुंशी पर केस

बदायूं। बदायूं जिले के उझानी से ट्रांसफर होने के बाद तीन दिन पहले मुंशी के बीच हुई मारपीट के मामले में महिला आरक्षी ने एसएसपी कार्यालय में आत्मदाह की कोशिश की। यहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक लिया उझानी कोतवाली मूवी मुंशी के साथ घटना सेहत महिला आरक्षी मुकदमे पर अड़ गयी। जिसके बाद प्रभारी एसएसपी हस सिद्धार्थ वर्मा के आदेश पर सिविल लाइन कोतवाली उझानी कोतवाली पूर्व मुंशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सोमवार को कोतवाली में एक महिला सिपाही का पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए महिला सिपाही की मुंशी से कहासुनी के बाद मारपीट हो गई थी। पूरा मामला कोतवाली आफिस के सीसीटीवी में कैद हो गया। वहीं इस मामले की किसी सिपाही ने वीडियो भी बना ली। मामले की महिला सिपाही ने एसपी सिटी ने शिकायत की तो उन्होंने जांच शुरू कर दी। देर रात कोतवाली में हुई मारपीट की जांच करने पहुंचे सीओ उझानी शक्ति सिंह के जाने के बाद ही कोतवाली के मुंशी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया।

वहीं पूर्व में हुए ट्रांसफर को निरस्त करते हुए मारपीट की आरोपी महिला सिपाही को भी लाइन हाजिर कर दिया गया था। इस मामले में शुक्रवार को महिला आरक्षी एसएसपी कार्यालय पहुंची। उसने स्कूटी की डिग्गी से पेट्रोल की शीशी निकाल भीतर प्रवेश किया और अपने ऊपर पेट्रोल डालने की कोशिश की।

यूपी में आला हज़रत के उर्स में उमड़ा अकीदतमंदों का जनसैलाब, टूटा भीड़ का रिकॉर्ड

बरेली। यूपी के बरेली में आला हजरत के उर्स स्थल इस्लामिया ग्राउंड और मथुरापुर स्थित जामितुर्रजा मदरसे से लेकर बाकरगंज मदरसे तक भीड़ का सैलाब नजर आया। गलियों में आला हज़रत के दीवानों का जनसैलाब उमड़ता आ रहा है। शुक्रवार को इश्क, मुहब्बत और अकीदत का खुशनुमा माहौल है। तीन साल बाद आला हजरत के उर्स की वो चमक वापस आई है, जो बंदिशों में में गुम रही थी। इस बार सारी पाबंदियां हट चुकी हैं तो पहले से ही माना जा रहा था कि इस उर्स में भारी भीड़ उमड़ेगी। गुरुवार की रात से ही यह नजारा देखने को मिला और शुक्रवार की सुबह तक आला हजरत के दीवाने मुरीद सड़कों पर नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से हजारों की संख्या में पुलिसबल तैनात है। उर्स स्थल पर उलेमा तकरीर कर रहे हैं। उन्हें सुनने को भीड़ जुट रही है। दोपहर 2 बजकर 38 मिनट पर कुल की रस्म अदा होगी। बरेली में इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी का 104वां तीन रोजा उर्स-ए-रजवी का आगाज गुरुवार को परचम कुशाई की रस्म के साथ हुआ। सड़कों पर रजवी परचम लेकर चले रजा के दीवानों ने जिंदाबाद के नारे लगाए। कार्यक्रम 03 दिन तक होता है, जायरीन देश विदेश से आते हैं, दो वर्षों से कोरोना के कारण आयोजन नहीं हो रहा था। सुन्नी-बरेलवी मुसलमानों के केंद्र बरेली में आला हजरत के उर्से रजवी का आगाज बुधवार को हो गया। कोरोना संक्रमण के कारण दो साल की सख्त पाबंदियों के बाद उर्स फिर से अपनी रौनक में नजर आया।

किताबें और रोड क्लीनर मशीन के बाद पालिका की तिजोरी चोरी

आजम खां पर फिर लगे गंभीर आरोप

रामपुर। सपा नेता और रामपुर सांसद आजम खां की दिन पर दिन मुसीबतें बढ़ती ही जा रही हैं। आजम खां के लिए जौहर यूनिवर्सिटी मानो आफत बन गई है। यूनिवर्सिटी में पिछले दिनों हुई कार्रवाई और खुदाई में मिली पालिका की मशीन इसका उदाहरण है। पहले बकरी, भैंस और फिर किताब चोरी के बाद आजम पर अब पालिका की तिजोरी चोरी का आरोप लगा है। मामला 17 साल पहले का बताया जा रहा है जब पालिका की तिजोरी चोरी हुई थी। तिजोरी में 11 लाख रुपये भी थे। पूर्व पालिकाध्यक्ष रेशमा बी ने कमिश्नर से मुलाकात कर पालिका से चोरी गई तिजोरी और

उसमें रखे 11 लाख रुपये की बरामद कराने की गुहार लगाई है। कमिश्नर ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है। सपा विधायक आजम खां की जौहर यूनिवर्सिटी की दीवारें हर रोज कोई न कोई नया खुलासा कर रही है। पुलिस के सर्च अभियान में जुए के आरोप में पकड़े गए सपा विधायक अब्दुल्ला आजम के दो दोस्तों सालिम व अनवार की निशानदेही पर पालिका की रोड क्लीनर मशीन और फिर मदरसा आलिया चोरी किताबें व फर्नीचर बरामद की थीं। इन सब बरामदगियों के बीच अब एक बार फिर से 17 साल पुराना मामला उछल गया है। पूर्व पालिकाध्यक्ष रेशमा बी अपने पूर्व विधायक पति अफरोज अली खां के साथ गुरुवार को कमिश्नर से मिलने पहुंची, जहां पर उन्होंने तमाम सुबूतों के साथ एक पत्र दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि वह दस साल तक पालिकाध्यक्ष रहीं। 2005 में पालिकाध्यक्ष रहते वक्त ही पालिका से तिजोरी चोरी हो गई थी। उस वक्त पालिका का नया भवन भी बन रहा था। तिजोरी में 11 लाख रुपये भी रखे। यह रुपये कर्मचारियों के वेतन के थे। यह भी गायब हो गए थे। इस मामले में उनके अधिकार तक सीज कर दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी तिजोरी बरामद नहीं हो पाई। कहा कि अब जब सभी पुरानी चीजें जौहर यूनिवर्सिटी से मिल रही हैं तो ऐसे में तिजोरी भी बरामद कराई जाए। साथ ही इसमें रखे 11 लाख रुपये भी बरामद कराए जाएं। पूर्व पालिकाध्यक्ष ने इस मामले में कमिश्नर से जल्द से जल्द पालिका की तिजोरी बरामद कराने की मांग रखी है। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने इस मामले में जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है।

एक बार फिर विपक्ष चौंका... लेकिन इस बार ए के शर्मा ने उनको सुखद आश्चर्य दिया

रायबरेली। उत्तर प्रदेश की विधानसभा में सत्र चल रहा था उस दरम्यान सूबे की सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने एक ऐसा इतिहास रच डाला जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की होगी। रायबरेली से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक श्री मनोज पांडेय ने वहाँ के नगर क्षेत्र में एक प्रमुख रोड के खराब होने से वहां के स्थानीय लोगों के आवागमन में समस्याओं और कार्य में देर होने की शिकायत नियम-51 के तहत विधानसभा में तारीख 20-9-2022 को यानी कि कल किया था। नियम यह है कि सदन में प्रश्न करने के लिए वह प्रश्न लिखित में एक दिन पहले सदन में दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ महीने पहले सारी औपचारिकता पूरी होने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हो रहा है। यह बात देर शाम को जैसे ही नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा जी के ध्यान में आयी वह अपने विकासवादी मिशन पर लग गये। उन्होंने अपनी अनोखी

कार्यशैली में स्थानीय अधिकारियों से कुछ सवाल किया जिससे की उन लोगों की हलक सुख गई।

उन्होंने पूछा-

क्या टेंडर फाइनल हो गया है?

जवाब मिला हाँ-13 जून 2022 को हो गया।

क्या धन उपलब्ध है? जवाब मिला हाँ। सब औपचारिकता पूर्ण है? जवाब मिला हाँ।

रुकावट का कोई कारण? जवाब मिला-नहीं।

फिर क्या था। ए के शर्मा जी को रात में ही एक जनसरोकार से जुड़ा हुआ काम मिल गया।

उन्होंने तत्काल उसी समय रात से पहले ही ट्रैक्टर, डंपर, मोरम, मज़दूर की व्यवस्था करने एवं सुबह से काम शुरू करने के लिए कहा-

देर रात एवं कार्य शुरू होने तक उन्होंने खुद इसे मॉनिटर किया।

और विधानसभा में सुबह ही प्रश्न का जवाब देने से पहले ही उन्होंने शुरू हुए काम की फोटो श्री मनोज पांडेय जी को भेंट कर दिया।

जब जवाब की बारी आयी तो विधानसभा अध्यक्ष ने खुद कहा कि अब क्या पांडेय जी- आपका काम तो हो गया।

फिर ए के शर्मा ने पूरी बात अपने लहजे में समझाई। ए के शर्मा के काम करने के जज्बे को देखकर विधानसभा के सदस्य स्तब्ध रह गये।

बुलंदशहर : अवैध हथियारों के तीन तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की सिकंदराबाद थाना पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गये अभियुक्तों के पास से तीन देशी तमंचे और कारतूस बरामद किये गये हैं। सिकंदराबाद के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश त्रिपाठी के नेतृत्व में निजामपुर के पास बदमाशों के गिरोह के साथ मुठभेड़ हुई। पुलिस ने गिरोह के तीन बदमाशों को अवैध शस्त्रों के साथ पकड़ लिया। उनके दो साथी भागने में कामयाब रहे। कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान थाना सिकंदराबाद के ग्राम निजामपुर निवासी जॉनी उर्फ देवेंद्र, आकाश उर्फ निखिल और कोतवाली बुलंदशहर देहात के यमुनापुरम निवासी ललित शर्मा के रूप में हुई। तीनों के विरुद्ध विभिन्न थानों में अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

मुख्तार अंसारी को 23 साल पुराने गैंगस्टर मामले में 5 साल की सजा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक एवं कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को गिरोहबंद अपराध (गैंगस्टर एक्ट) से जुड़े 23 साल पुराने एक मामले में 05 साल के सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई है।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने राज्य सरकार की अपील पर यह फैसला सुनाया है। राज्य सरकार ने मुख्तार को गैंगस्टर एक्ट के मामले में निचली अदालत द्वारा बरी किये जाने के फैसले को चुनौती दी थी। इस मामले में 1999 में लखनऊ के हजरतगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। लखनऊ स्थित एमपी एमएलए कोर्ट ने 23 दिसंबर 2020 को इस मामले में मुख्तार को बरी कर दिया था।

इस मामले के सरकारी वकील राव नरेन्द्र सिंह ने बताया कि उच्च न्यायाल ने निचली अदालत द्वारा मुख्तार को बरी करने के फैसले को पलटते हुए, गिरोह बनाकर गंभीर अपराध करने के आरोप को सही ठहरा कर यह सजा सुनायी है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने मुख्तार को बरी किये जाने के निचली अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

अदालत ने अपने फैसले में निचली अदालत के फैसले में गंभीर गलती बताते हुए कहा कि कुछ अन्य मुकदमों में प्रतिवादी को बरी किये जाने के आधार पर किसी को आरोपमुक्त करना कानून सम्मत नहीं है। उल्लेखनीय है कि निचली अदालत ने महज इस आधार पर मुख्तार को निर्दोष बताया था कि उन्हें इस तरह के दूसरे मामलों में अदालत से बरी किया गया था।

उप्र के बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत कार्यों की डीएम से योगी ने तलब की रिपोर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने सरयू नदी के आस-पास के जिलों गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, अयोध्या, गोंडा और बाराबंकी का हवाई सर्वेक्षण कर इन जिलों के जिलाधाकारियों (डीएम) से अब तक किये गये बाढ़ राहत कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार योगी ने जिलाधिकारियों को इन जिलों के प्रभावित गांवों में राहत कार्यों में तेजी लाने और साथ ही बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों एवं पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने के निर्देश दिये हैं। प्रदेश के करीब 14 जिलों के 247 गांव में बाढ़ से हालात बिगड़े हैं। इस बीच मुख्यमंत्री योगी ने इन जिलों में स्थिति का जायजा लेने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। गौरतलब है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, पीएसी और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गईं हैं। योगी ने बाढ़ प्रभावित जिलों के डीएम को राहत कार्यों में तेजी लाने समेत इस दिशा में किये गये कामों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने जिलाधिकारियों को बाढ़ से हुई जन धन और पशुधन की क्षति का निर्धारित मानकों के मुताबिक आकलन कर सहायता एवं बाढ़ राहत सामग्री वितरित करने के काम में तेजी लाने को कहा। पिछले के 16 जिलों में पिछले 24 घंटे में 25 मिमी से अधिक रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गयी है। ऐसे में प्रदेश के 07 जिलों गोरखपुर, लखनऊ, लखीमपुर खीरी, वाराणसी, बहराइच, अयोध्या और बरेली में एनडीआरएफ की 08 टीमें तैनात की गई हैं। इसके साथ ही 10 जिलों बाराबंकी, गोरखपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, वाराणसी, इटावा, अयोध्या, मिर्जापुर में एसडीआरएफ की 15 टीमें लगाई गईं।

बरेली : इलेक्ट्रिक बस का कम्प्रेसर फटने से एक की मौत, दो घायल

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में इलेक्ट्रिक सिटी बस के कंप्रेसर में गुरुवार को विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आकर एक मिस्त्री की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस के चार्जिंग स्टेशन पर गुरुवार को इलेक्ट्रिक बस में एसी की गैस भरवाते समय बस के कम्प्रेसर में विस्फोट हो गया। अपुष्ट सूत्रों ने बताया कि इलेक्ट्रिक बस में एसी की गैस डालने के दौरान किसी ने बस को चार्ज करने का स्विच खोल दिया। इससे चार्जिंग भी शुरू होने के कारण बस का एसी कम्प्रेसर फट गया। जिसके चलते तेज धमाका हुआ और एक मिस्त्री की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में दो अन्य गंभीर रूप से घायल भी हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रधान समेत 13 पर गैंगरेप का केस दर्ज, अपहरण, लूट और गर्भपात कराने का भी आरोप लगा

मुरादाबाद। यूपी में मुरादाबाद के एसएसपी के आदेश पर भोजपुर पुलिस ने विवाहिता का दहेज उत्पीड़न, गैंगरेप और जानलेवा हमले के आरोप में 13 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विवाहिता ने अपहरण, लूट और गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एसआई सुधीर यादव को जांच सौंपी है। मुरादाबाद के थाना सिविल लाइन क्षेत्र निवासी युवती का विवाह सात वर्ष पूर्व भोजपुर के एक गांव निवासी युवक के साथ हुआ था। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज से खुश नहीं थे। दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न करने लगे। इसी दौरान उसने एक बेटे को जन्म दिया। ससुरालियों ने छौछक में दो लाख रुपए मांगे। आरोप है कि वह पांच माह की गर्भवती थी। देवर, ननद, सास ने पेट में लात मारकर गर्भपात करा दिया। इस दौरान अवसाद में उसके पिता की मौत हो गई। एक महीने पहले वह घर में अकेली थी। इसी दौरान देवरानी का तहेरा भाई अपने पांच साथियों संग आ धमका। उसने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। बाद में ससुराल वालों ने लोकलाज का भय दिखाकर उसका मुंह बंद करा दिया। इसके बाद सात सितंबर को पति ने मां, भाई, बहन के साथ मिलकर उसके शरीर पर तेल डालकर आग लगाने का प्रयास किया। वह मायके जाने लगी तो इस्लाम नगर रोड पर कार से आये आरोपियों ने उसका अपहरण कर लिया। इस दौरान ग्रामीणों के ललकारने पर आरोपी सोने की चेन और कुंडल छीनकर फरार हो गए। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

शादी का झांसा देकर दो दिन तक किया दुष्कर्म, केस

थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को गांव का ही एक युवक घर से बहला-फुसलाकर अपने घर ले गया। इस दौरान युवती को शादी का झांसा देकर ने दो दिन तक उसके साथ दुष्कर्म किया। जब युवती शादी के लिए कहने लगी तो युवक उसे सिरसवा दोराहा स्थित मजार पर छोड़कर फरार हो गया। बदहवास युवती बमुश्किल अपने घर पहुंची और परिवार के लोगों को जानकारी दी। परिजनों ने गांव के ही दो लोगों के खिलाफ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

प्रयागराज हिंसा के मास्टर माइंड जावेद पंप का मामला

फेसबुक पर कथित विवादित पोस्ट लिखने पर दर्ज थी एफआईआर

प्रयागराज। प्रयागराज के अटाला में हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार किए गए कथित मास्टरमाइंड बताए गए जावेद मोहम्मद पंप को न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने जमानत दे दी। अधिवक्ता मंच के अधिवक्ता शम्सुल इस्लाम के बहस पर, फेसबुक पर कथित विवादित पोस्ट लिखने पर दर्ज प्राथमिकी में जमानत दी है। जमानत आदेश के अनुसार पुलिस समय देने के बावजूद जावेद मोहम्मद का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं प्रस्तुत कर सकी।

जावेद मोहम्मद पर आरोप था कि उसने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर शहर का अमन चैन बिगाड़ने की कोशिश की। वहीं उसके अधिवक्ता का तर्क था कि फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से जावेद मोहम्मद ने शहर के नागरिकों को मुस्लिम समाज को शांति से रहने और कानून को अपने हाथ में न लेने की अपील की थी।

10 जून को जुमे की नमाज के बाद हुआ था बवाल

10 जून को जुमे की नमाज के बाद अटाला स्थित मस्जिद के पास से शुरू हुआ बवाल नुरुल्लारोड, अकबरपुर और करेली तक हुआ था। भाजपा से निष्कासित प्रवक्ता नूपुर शर्मा के बयान के बाद भड़के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पुलिस पर जमकर पत्थरबाजी और बमबाजी की थी। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक पुलिस और पीएसी की गाड़ियों को अराजक तत्वों ने फूंक दिया था।

धर्म परिवर्तन कराने में दो ईसाई सिस्टर्स गिरफ्तार

संभल। संभल में जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश कराने का मामला सामने आया है। यहां की रहने वाली एक हिंदू महिला ने आरोप लगाया कि दो ईसाई सिस्टर उनके घर में जबरन घुस आईं। उन्होंने मूर्तियों और भगवान के पोस्टर को जला दिया। उन्होंने धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया, न मानने पर देवी-देवताओं का अपमान किया। मामला थाना नखासा क्षेत्र के गांव सिरसानाल का है। घटना 21 सितंबर को दोपहर की है। गुरुवार देर रात पुलिस ने धर्मांतरण अधिनियम सहित कई धाराओं में दोनों सिस्टर्स पर केस दर्ज कर किया। इसके बाद पुलिस ने शुक्रवार सुबह दोनों सिस्टर्स रोज मैरी और जीसा को गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित महिला सुनीता का कहना है, मेरे पति ईसाई हैं, वो हिंदू है। 9 साल पहले उसकी लव मैरिज हुई थी। मेरे गांव में एक क्रिश्चियन स्कूल है। मेरे बच्चे भी वहीं पर पढ़ाई करते हैं। 21 सितंबर को वह अपने घर में सो रही थी। मेरे दोनों बच्चे घर में ही थे। पति मजदूरी करने गए हुए थे।

शार्ट न्यूज

मोतीलाल ओसवाल ने पेश किया सोना, चांदी ईटीएफ एफओएफ

मुंबई। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एमओएएमसी) ने सोना और चांदी विनिमय-व्यापार फंड (ईटीएफ) की इकाइयों में निवेश कर रिटर्न हासिल करने के मकसद से मोतीलाल ओसवाल गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ एफओएफ (फंड ऑफ फंड्स) लॉन्च करने की घोषणा की है। एमओएएमसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह एक खुली अवधि वाला एफओएफ होगा जो सोना और चांदी एक्सेचेंज-ट्रेडेड फंड्स में निवेश करेगा। कंपनी ने कहा कि इस योजना के तहत दैनिक भार बाजार से संचालित होगा और शुरुआती (एनएफओ) आवंटन 70ः30 के अनुपात में होगा। अधिकतम भार (वेट) 90 प्रतिशत तय है और इसे तिमाही समीक्षा के आधार पर तय किया जाएगा। सोने के लिए प्रारंभिक उच्च आवंटन इसके उच्च आर्थिक मूल्य और अत्यधिक तरल होने के कारण है। इसके अतिरिक्त यह चांदी की तुलना में अधिक स्थिर है। एनएफओ 26 सितंबर 2022 को खुलेगा और सात अक्टूबर 2022 को बंद होगा, जिसका आवंटन 13 अक्टूबर को होगा। एमओएएमसी के पैसिव बिजनेस के अध्यक्ष प्रतीक ओसवाल ने कहा, निवेश के नए अवसर लाने के उद्देश्य से कंपनी ने सोना और चांदी ईटीएफ एफओएफ पेश किए हैं। यह एक बड़ी विविधीकरण मिश्रण प्रदान करता है क्योंकि सोने और चांदी दोनों का इक्विटी से कम संबंध है और इस प्रकार यह एक अच्छे विविधीकरण के रूप में कार्य करता है। दोनों धातुएं गिरावट से अच्छी सुरक्षा प्रदान करती हैं और गिरते बाजारों में बेहतर प्रदर्शन करती हैं। जब बाजार मंदी के दौर से उबर रहा होता है तो चांदी का प्रदर्शन बेहतर होता है। इस योजना के साथ निवेशक पोर्टेबल संपत्ति और बढ़ते आर्थिक मूल्यों का आनंद लेते हुए बाजार की अस्थिरता के खिलाफ जोखिम को कम करने में सक्षम होंगे।

सोना 592 और चांदी 1807 रुपये सस्ती

मुंबई। बेकाबू महंगाई पर लगाम लगाने के लिए दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में बढ़ोतरी करने से डॉलर में आई जबरदस्त तेजी के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 592 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1807 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 1.53 प्रतिशत लुढ़ककर 1644.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.23 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1667 डॉलर प्रति औंस रह गया। इस दौरान चांदी हाजिर 3.41 प्रतिशत चमक खोकर 18.98 डॉलर प्रति औंस बोली गई। वैश्विक स्तर के कोहराम का असर घरेलू स्तर पर भी देखा गया। इस दौरान देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 592 रुपये गिरकर 49408 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 580 रुपये कमजोर होकर 49382 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 1807 रुपये सस्ती होकर 56220 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 1670 रुपये टूटकर 56698 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई। विश्लेषकों के अनुसार, बेकाबू महंगाई पर लगाम लगाने के लिए इस सप्ताह अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, स्वीट्जरलैंड एवं नॉर्वे के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दर में बढ़ोतरी कर दी है। इससे डॉलर में आई तेजी का दबाव कीमती धातुओं पर पड़ा है।

निवेशकों के डूबे 490162 करोड़

मुंबई। शेयर बाजार में मचे कोहराम से आज निवेशकों के 490162.55 करोड़ रुपये डूब गए। बेकाबू महंगाई को नियंत्रित करने के लिए दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने से वैश्विक बाजार के दो साल के निचले स्तर तक लुढ़कने के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़ प्रतिशत से अधिक गिर गए। इससे निवेशकों के 490162.55 करोड़ रुपये डूब गए। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को बाजार पूंजीकरण 28154729.34 करोड़ रुपये रहा था लेकिन शुक्रवार को बाजार के 1.73 प्रतिशत टूटने से यह 490162.55 करोड़ रुपये कम होकर 27664566.79 करोड़ रुपये रह गया। यह पिछले तीन सप्ताह का निचला स्तर है। इससे पहले 16 सितंबर को बाजार पूंजीकरण में 618536.3 करोड़ रुपये की एकदिनी गिरावट आई थी और यह 28587358.36 करोड़ रुपये से घटकर 27968822.06 करोड़ रुपये रह गया था।

दिलीप अस्बे को फिर भुगतान निगम का प्रबंध निदेशक, सीईओ बनाने को शेयरधारकों की मंजूरी

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के शेयरधारकों ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में दिलीप असबे के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में पुनः नियुक्ति किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री अस्बे की नियुक्ति पांच साल के लिए की गयी है और आठ जनवरी 2023 से प्रभावी होगी। कंपनी की वार्षिक आम बैठक गुरुवार को आयोजित की गयी थी। एनपीसीआई को 2008 में भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली के संचालन के लिए एक छत्र संगठन के रूप में गठित किया गया था। एनपीसीआई ने देश में एक मजबूत भुगतान और निपटान बुनियादी ढांचा तैयार किया है और इसने रुपे कार्ड, तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस), यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम), भीम आधार, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल जैसे खुदरा भुगतान उत्पादों के माध्यम से भुगतान करने के तरीके को बदल दिया है।

रुपया तीस पैसे गिरकर अबतक के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई। आसमान छू रही महंगाई को काबू में करने के लिए दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने से डॉलर में जारी तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 30 पैसे गिरकर अबतक के रिकॉर्ड 81.09 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसी तरह पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83 पैसे लुढ़ककर 80.79 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया था। शुरुआती कारोबार में रुपया 29 पैसे का गोता लगाकर 81.08 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और लिवाली के दबाव में 81.230 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली से समर्थन पाकर यह 80.77 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 80.79 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 30 पैसे टूटकर 81.09 रुपये प्रति डॉलर रह गया। विश्लेषकों के अनुसार, बेकाबू महंगाई पर लगाम लगाने के लिए इस सप्ताह अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, स्वीट्जरलैंड एवं नॉर्वे के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दर में बढ़ोतरी कर दी है। इससे डॉलर में आई तेजी का दबाव रुपये पर पड़ा है। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार के डेढ़ प्रतिशत से अधिक टूटने का असर भी रुपये पर देखा जा रहा है।

टीवीएस की नयी जुपिटर क्लासिक आयी सामने

होसुर (तमिलनाडु)। दोपहिया और तिपहिया वाहनों की निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर ने शुक्रवार को नयी टीवीएस जुपिटर क्लासिक को बाजार में उतारने की घोषणा की। यह टीवीएस जुपिटर का एक उत्सवी संस्करण है क्योंकि टीवीएस जुपिटर ने सबसे तेज 50 लाख इकाइयों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। नयी जुपिटर क्लासिक को ब्लैक थीम के साथ प्रीमियम लुक दिया गया है जिसमें मिरर हाइलाइट, फेंडर गार्निश, टिंटेड वाइजर और 3डी ब्लैक प्रीमियम लोगो दिया गया है। इसमें हैंडलबार के सिरे, डायमंड कट अलॉय व्हील और गहरे भूरे रंग के आंतरिक पैनल दिए गए हैं। टीवीएस जूपिटर क्लासिक को डिस्क ब्रेक के साथ टॉप-ऑफ-द-लाइन फीचर्स में पेश किया जाएगा जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत 85,866 रुपये है। यह वेरिएंट दो रंग मिस्टिक ग्रे और रिगल पर्पल में उपलब्ध है। कंपनी के कम्यूटर, कॉरपोरेट ब्रांड और डीलर ट्रांसफॉरमेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग) अनिरुद्ध हलदार ने कहा, नयी टीवीएस जूपिटर प्रीमियम है। यह संस्करण इसके 50 लाख इकाई सड़क पर होने के जश्न में लाया गया है। यह इस तथ्य की स्वीकृति और उत्सव है कि यह उपलब्धि टीवीएस जुपिटर में लाखों उपभोक्ताओं के विश्वास और प्यार से संभव हुआ है।

फार्मा उद्योग का कारोबार 2047 तक 400 अरब डालर तक पहुंचने का लक्ष्य : सीआईआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। घरेलू कंपनी जगत के प्रमुख संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय फार्मा उद्योग अपनी वर्तमान शक्ति और भविष्य की तैयारियों के साथ आजादी के शताब्दी वर्ष तक अपना कारोबार 400 अरब डालर वार्षिक के स्तर तक पहुंचाने की आकांक्षा रखता है।

सीआईआई की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में औषधि क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी के हवाले से कहा गया है, दुनिया भर में 20 प्रतिशत जेनेरिक (सामान्य) दवाएं भारत में बनती हैं। आकांक्षा 2047 तक 400 अरब डॉलर तक पहुंचने की है। एक क्षेत्र जहां हम क्षमता प्रदर्शित करने की आकांक्षा रखते हैं, वह है नवाचार।

श्री रेड्डी का कहना है कि 'भारत के लिए संपूर्ण जीवविज्ञान के क्षेत्र में बायोसिमिलर दवाओं (जैवचिकित्सकीय दवाओं के सस्ते संस्करण) के क्षेत्र में नवप्रवर्तन के माध्यम से विस्तार के अपार अवसर हैं। हमारे पास नई दवा की खोज के साथ-साथ नए अणुओं की खोज करने की क्षमता है।

साथ में उनका यह भी कहना है कि इसके लिए पर्याप्त धन और निवेश के साथ-साथ अनुसंधान एवं विकास के लिए कर छूट तथा अकादमिक सहयोग की भी आवश्यकता है।

सीआईआई) द्वारा इस विषय पर उसके चौथे जीवन विज्ञान सम्मेलन में 2047 @ भारतीय जीवन विज्ञान के लिए वृहद योजना विषय पर एक श्वेतपत्र प्रस्तुत किया गया। इसमें अगले 25 वर्षों में जीवन विज्ञान और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में चार रणनीतियों- नवाचार और व्यावसायीकरण, स्वस्थ विनिर्माण, अंतर्राष्ट्रीयकरण और एक अनुकूल व्यावसायिक वातावरण पर ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। इसमें जीवन विज्ञान के बुनियादी ढांचे और नियामक ढांचे का विकास भी शामिल है।

इस सम्मेलन को आन लाइन संबोधित करते हुए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने कहा, भारतीय फार्मास्युटिकल्स बाजार में ऐसी विशेषताएं हैं जो इसे अद्वितीय बनाती हैं। . भारत भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।'

उन्होंने कहा कि औषधि विभाग ने औषधियों के निर्माण में काम आने वाले तत्वों और सक्रिय औषधिक रसायनों (एपीआई) के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए दो योजनाएं तैयार कीं हैं ताकि उनकी स्थायी घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में निवेश आकर्षित किया जा सके और इस तरह महत्वपूर्ण केएसएम / ड्रग इंटरमीडिएट और एपीआई के लिए अन्य देशों पर भारत की आयात निर्भरता को कम किया जा सके।

सीआईआई की रिपोर्ट में फार्मास्यूटिकल्स विभाग की सचिव एस अपर्णा के हवाले से कहा गया है कि जीवन विज्ञान अनुसंधान की मुख्यधारा में स्थान बनाने के लिए बायोसिमिलर और आरएनए वैक्सीन, स्टेम सेल और जीन थेरेपी और प्राकृतिक उत्पादों को लाने की क्षमता पर ध्यान देना होगा।

नीति आयोग के सदस्य डॉ वी के सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग की राय है कि ब जीनोम अनुक्रमण, डीएनए स्प्लिसिंग, सीआरआईएसपीआर सीआरएएस सबसे तेजी से उभरते क्षेत्र हैं। उनका कहना है कि नैनो रोबोटिक्स के विकास के साथ, भविष्य में जीएम भोजन की ट्रांसजेनिक मुक्त किस्में सामान्य उपयोग में शामिल होंगी। कृषि वैज्ञानिक खाद्य टीके विकसित करेंगे।

सटीक कृषि, जीनोम इंजीनियरिंग नवीन प्रौद्योगिकी में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि कृत्रिम अंगों के निर्माण में ऊतक इंजीनियरिंग एक अन्य क्षेत्र उभर रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत को समृद्ध जैविक संपदा हासिल करने की जरूरत है। लाइफसाइंसेस स्वास्थ्य सेवा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और 2025 तक 150 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। डा सारस्वत ने कहा कि निजी इक्विटी फर्म नए क्षेत्रों को बढ़ावा देने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नए टीके, रुग्णता और मृत्यु दर को कम करना, नैतिक नीति विकास और उद्यम प्रौद्योगिकियां भी भारत के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

औषधि क्षेत्र पर सीआईआई की राष्ट्रीय समिति के सह अध्यक्ष और एबॉट इंडिया लि के प्रबंध निदेशक विवेक कामथ ने कहा इस चर्चा में कहा, हेल्थकेयर 2047 के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है। विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से सरकार एक कुशल जीवन विज्ञान क्षेत्र को प्रोत्साहित कर रही है। कोविड ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को प्रभावित किया लेकिन उद्योग को बदलने का अवसर दिया। महामारी के दौरान सामने आया एक प्रमुख शब्द सहयोग था जिसने महामारी से निपटने में मदद की। सहयोग एक ज्वलंत इच्छा बन सकता है।

टेलीकॉम के विकास के लिए लीगल बैकिंग जरुरी

ट्राई से 20 अक्टूबर तक मांगे सुझाव

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इंडियन टेलीकम्युनिकेशन बिल 2022 के मसौदे पर प्रस्तुतीकरण देते हुए टेलीकॉम के विकास के लिए लीगल बैंकिंग को जरूरी को बताया साथ ही उन्होंने कहा कि, हिंदुस्तान को टेलीकॉम में अग्रणीय बनाने पर कार्य योजना तैयार है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नए टेलीकॉम बिल 2022 पर कहा कि नए बिल में स्पैक्ट्रम के प्रभावी इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। इसमें टेलीकॉम और इंटरनेट आधारित सेवाओं को रेग्यूलेट करने के लिए नियम और विनियम को शामिल किया गया है। आईटी मंत्री ने आगे कहा कि हम चाहते हैं कि टेलीकॉम सेक्टर में नए और महत्वपूर्ण परिवर्तन आएं। आईटी मंत्री ने आगे कहा कि नए टेलीकॉम बिल में यूजर्स की सुरक्षा पर फोकस किया जा रहा है। नए बिल में सर्विस प्रोवाइडर और यूजर्स दोनों ही कॉलर की पहचान कर सकेंगे। साथ ही टेलीकॉम सेक्टर और इंटरनेट आधारित सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म को एक ही तरह से रेग्यूलेट किया जाएगा।

केंद्रीय सूचना और तकनीक मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को जानकारी दी कि नए टेलीकॉम बिल को अगले छह से दस महीने में पेश किया जाएगा। भारत के पास टेलीकॉम सेक्टर का नेतृत्व करने की काबिलियत है। बता दें कि 22 सितंबर को ही भारतीय दूरसंचार विभाग ने प्रस्तावित भारतीय दूरसंचार विधेयक 2022 के ड्राफ्ट को पेश किया है। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनकेशंस ने इस बिल के फ्रेमवर्क पर दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से 20 अक्टूबर तक सुझाव भी मांगे हैं।

उन्होंने अपने प्रस्तुतीकरण में कहा कि, भारत के पास टेलीकॉम टेक्नोलॉजी का नेतृत्व करने की पूरी काबिलियत है। स्पेक्ट्रम दूरसंचार सेवाओं का मूल रॉ मटेरियल है। यदि हमें भारत को दूरसंचार प्रौद्योगिकी में एक बहुत ही महत्वपूर्ण शक्ति बनाना है तो हमारे पास एक ऐसा ढांचा होना चाहिए जो स्पेक्ट्रम के कुशल और बहुत प्रभावी उपयोग की अनुमति दे। हम टेलीकम्युनिकेशन डेवलपमेंट फंड के माध्यम से एक महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं।

इसे ध्यान में रखते हुए स्ह्लस्न (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड) को एक्सपेंड करने का निर्णय लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले की साफ कर दिया है कि हम भारत में ग्लोबल स्टैंडर्ड 5जी नेटवर्क को बिल्ड करेंगे और 6जी टेक्नोलॉजी में दुनिया का नेतृत्व करेंगे।

एक्सिस बैंक ने अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क से डिजिटली कर्ज देना किया शुरू

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के बैंक एक्सिस बैंक ने अकाउंट एग्रीगेटर (एए) फ्रेमवर्क के माध्यम से ऋण देना शुरू कर दिया है।

एक्सिस बैंक अकाउंट एग्रीगेटर इकोसिस्टम में शुरुआती निवेशक रहा है, जिसने बैंक को अपने एए ढांचे को संचालित करने और एक सहज ग्राहक-अनुकूल अनुभव प्रदान करने के लिए तकनीकी स्टैक बनाने में मदद की है। खाता एग्रीगेटर यात्रा के माध्यम से बैंक व्यक्तिगत ऋण, क्रेडिट कार्ड, ऑटो ऋण और लघु व्यवसाय ऋण प्रदान करता है। यह तत्काल ऋण प्रदान करता है जो मौजूदा और नए दोनों ग्राहकों के लिए पूरी तरह से डिजिटल और कागज रहित है। एक्सिस बैंक पहले से ही अनुमति-एए, वन मनी-एए, फिनवियू-एए जैसे कई अकाउंट एग्रीगेटर्स पर लाइव है, जो खुदरा और एसएमई ग्राहकों को कवर करता है। अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क पर गो-लाइव के बाद से बैंक के ऋण वितरण में महीने-दर-महीने 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क एक शक्तिशाली प्रस्ताव है जो तेजी से बढ़ रहा है। यह सुरक्षित तरीके से ग्राहकों की वित्तीय जानकारी तक आसान और त्वरित पहुँच प्रदान करता है। इस डेटा को सुरक्षित रूप से एक्सेस करने में सक्षम होने से बैंकों को उधार, क्रेडिट निगरानी और धन प्रबंधन में नई ग्राहक अनुकूल यात्राएं बनाने में मदद मिलती है। जानकारी एक विश्वसनीय स्रोत से आती है और पूरी तरह से डिजिटल है, जिससे ग्राहकों को खुशी और परिचालन क्षमता मिलती है।

भारत हो सकता है दोपहिया, तिपहिया वाहनों के निर्यात का केंद्र : अमिताभ कांत

नयी दिल्ली। भारत के जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने शुक्रवार को कहा कि बैटरी स्टोरेज में बड़ा अवसर होने के साथ भारत दोपहिया और तिपहिया वाहनों के निर्यात का केंद्र हो सकता है।

पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया के नौवें वार्षिक फोरम में श्री कांत ने भारत को नवीकरणीय और हरित ऊर्जा में निर्यातक बनाने पर अपनी दूरदृष्टि प्रस्तुत की।

नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि इस क्षेत्र में भारत का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है, जिससे इसके लिए हरित ऊर्जा का मेगा-उत्पादक बनने का मार्ग खुल गया है।

श्रीकांत ने कहा कि अगर कंपनियां जलवायु कार्रवाई करना जारी रखती हैं तो यह राष्ट्र के विकास को गति देने के लिए और अधिक पूंजी आकर्षित करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के लिए जलवायु कार्रवाई एक चुनौती नहीं बल्कि अवसर है।

कांत ने कहा, इसके दो कारण है- पहला, हम जलवायु और उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र के मामले में संपन्न हैं और दूसरा भारत केवल हरित हाइड्रोजन के साथ कार्बनीकरण के बिना औद्योगीकृत होने वाला पहला देश बन जाएगा।

जी-20 में भारत के एजेंडे पर उन्होंने कहा कि भारत के पास जी-20 की अध्यक्षता उस वक्त आयी है जब दुनिया में बड़ी चुनौतियां हैं जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान संघर्ष, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, व्यापार का धीमा होना, ऊंचा वैश्विक कर्ज, मुद्रास्फीति दबाव इत्यादि।

श्री कांत ने कहा कि भारत केंद्रीय स्तर पर विकास लाएगा और पिछले पांच वर्षों में सरकार द्वारा किए गए सुधारों ने भारत को आने वाले कई दशकों तक विकास पथ पर रखा है।

उन्होंने प्राइस वाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) के अध्यन का जिक्र किया जिसमें कहा गया था कि अर्थव्यवस्था के हिसाब से भारत दूसरा सबसे बड़ा देश होगा। डिजिटलाइजेशन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में भारत का रियल-टाइम लेने देन बढ़कर 48.6 अरब रहा जो चीन से लगभग तीन गुना है और विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी समेत तकरीबन सात गुना है।

यूनियन बैंक के एमडी ने हैदराबाद में किया एथिकल हैकिंग लैब का उद्घाटन

एजेंसी

हैदराबाद। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए मणिमेखलाई ने शुक्रवार को हैदराबाद के साइबर सिक्योरिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंज (सीसीओई) में एथिकल हैकिंग लैब का उद्घाटन किया।

इस अनोखी पहल का लक्ष्य बैंक इंफोरमेशन सिस्टम्स, डिजिटल परिसंपत्ति और माध्यमों को संभावित साइबर खतरे से बचाने के लिए साइबर सुरक्षा तंत्र तैयार करना है।

बैंक ने एक बयान में कहा कि इस लैब का उद्घाटन सुश्री मणिमेखलाई ने कार्यकारी निदेशकों नितेश रंजन, रजनीश कर्नाटक और निधु सक्सेना की उपस्थिति में किया।

बैंक की प्रबंधन निदेशक ने कहा, यूनियन बैंक डिजिटल उत्पादों को एक बड़ी तेजी से अपना रहा है। डिजिटल फुटप्रिंट बढ़ाने के लिए बैंक द्वारा विभिन्न नये कदम उठाए जा रहे हैं।

आईटी परिसंपत्ति तेजी से इंटरनेट के संपर्क में आ रहे हैं। इसको लेकर हमारे बैंक ने साइबर परितंत्र को मजबूत करने के लिए एथिकल हैकिंग लैब स्थापित की है।

उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि हम डिजिटल बैंकिंग अनुभव को सुरक्षित करने के लिए अपनी साइबर सुरक्षा यात्रा को आगे बढ़ा रहे हैं।

यूनियन बैंक की हैदराबाद में सीसीओई बैंक की साइबर सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की प्रक्रिया में एक कदम है, जिसमें नयी तकनीकों को लागू करने के लिए रक्षा उद्योगों और सरकारी निकायों के साथ सहयोग करने के लिए साइबर सुरक्षा केंद्र स्थापित करना है।

ब्याज दर बढ़ने से सेंसेक्स-निफ्टी में कोहराम

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 302.45 अंक अर्थात 1.72 प्रतिशत की गिरावट लेकर 17327.35 अंक पर आ गया

एजेंसी

मुंबई। बेकाबू महंगाई को नियंत्रित करने के लिए दुनिया के कई केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने से वैश्विक बाजार के दो साल के निचले स्तर तक लुढ़कने के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज सेंसेक्स और निफ्टी में कोहराम मच गया और वे डेढ़ प्रतिशत से अधिक गिर गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1020.80 अंक यानी 1.73 प्रतिशत का गोता लगाकर 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 58098.92 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 302.45 अंक अर्थात 1.72 प्रतिशत की गिरावट लेकर 17327.35 अंक पर आ गया। बीएसई का मिडकैप 2.28 प्रतिशत टूटकर 25,271.41 अंक और स्मॉलकैप 1.92 प्रतिशत गिरकर 28,812.76 अंक पर रहा।

आसमान छू रही महंगाई पर लगाम लगाने के लिए इस सप्ताह अमेरिका, ब्रिटेन, स्वीडन, स्वीट्जरलैंड एवं नॉर्वे के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दर में बढ़ोतरी कर दी है। इससे हतोत्साहित निवेशकों की बिकवाली से अंतर्राष्ट्रीय बाजार दो साल के निचले स्तर पर आ गया। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.72, जर्मनी का डैक्स 1.88, जापान का निक्केई 0.58, हांगकांग का हैंगसेंग 1.18 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.66 प्रतिशत लुढ़क गया।

इसके दबाव में बीएसई के सभी 19 समूहों में बिकवाली हुई। इससे यूटिलिटीज 3.48, पावर 3.40, कमोडिटीज 1.66, सीडी 1.82, ऊर्जा 1.73, वित्तीय सेवाएं 2.56, इंडस्ट्रियल्स 1.97, दूरसंचार 2.17, ऑटो 1.69, बैंकिंग 2.50, पूंजीगत वस्तुएं 2.06, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.76, धातु 1.36, तेल एवं गैस 1.63 रियल्टी समूह के शेयरों ने 2.97 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3587 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2497 में बिकवाली जबकि 983 में लिवाली हुई वहीं 107 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 44 कंपनियां लाल जबकि पाच हरे निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 115 अंक टूटकर 59,005.18 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 59,143.32 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इसके बाद शुरू हुई बिकवाली के दबाव में यह लगातार उतरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 57,981.95 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 59,119.72 अंक के मुकाबले 1.73 प्रतिशत गिरकर 58,098.92 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी की शुरुआत भी कमजोर रही और यह 36 अंक फिसलकर 17,593.85 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17,642.15 अंक के उच्चतम जबकि 17,291.65 अंक के निचले स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,629.80 अंक की तुलना में 1.72 प्रतिशत उतरकर 17,327.35 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की 27 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष तीन कंपनियों आईटीसी, टाटा स्टील और सन फार्मा में 1.53 प्रतिशत तक की तेजी रही।

पावरग्रिड ने सबसे अधिक 7.93 प्रतिशत का नुकसान उठाया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.00, एसबीआई 2.99, एनटीपीसी 2.73, एचडीएफसी 2.72, एचडीएफसी बैंक 2.64, एक्सिस बैंक 2.55, आईसीआईसीआई बैंक 2.23, रिलायंस 1.87, एलटी 1.59, विप्रो 0.89, टीसीएस 0.82, मारुति 0.64 और इंफोसिस के शेयर 0.19 प्रतिशत की गिरावट पर रहे।

टाटा स्टील में होगा उसकी सात धातु कंपनियों का विलय

एजेंसी

नयी दिल्ली। टाटा स्टील के निदेशक मंडल ने टाटा समूह की सात धातु कंपनियों के विलय की योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है।

टाटा स्टील ने यह जानकारी शुक्रवार को शेयर बाजार में दी गयी।

टाटा समूह की ये धातु कंपनियां हैं- टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीएलएलपी), द टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल), टाटा मेटालिक्स लिमिटेड (टीएमएल), टीआरएफ लिमिटेड, द इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आईएसडब्ल्यूपी), टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड (टीएसएमएल) और एस एंड टी माइनिंग कंपनी लिमिटेड (एसएंडटी माइनिंग)।

कंपनी के अनुसार, इस विलय का उद्देश्य समूह की कंपनियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, एक दूसरे से सीख, एक-दूसरे की सुविधाओं का उपयोग करना और दूसरों के बीच विपणन तथा वितरण नेटवर्क के लिए सहयोग करना है।

टाटा स्टील ने कहा, हर योजना की समीक्षा और सुझाव कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों की समिति और कंपनी की ऑडिट समिति ने दी है।

कंपनी ने कहा कि प्रत्येक योजना संबंधित स्थानांतरण कंपनियों और स्थानांतरित कंपनी, सक्षम प्राधिकारी, बाजार नियामक सेबी, स्टॉक एक्सचेंज और अन्य प्राधिकरणों के अपेक्षित बहुमत के शेयरधारकों से अनुमोदन प्राप्त करने के अधीन है जैसा कि लागू कानूनों के अनुसार आवश्यक हो सकता है।

टाटा स्टील ने कहा, सेबी के परिपत्रों के साथ पठित लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 37 के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक योजना संबंधित दस्तावेजों या प्रमाणपत्र शेयर बाजारों या जहां भी आवश्यक हो प्रस्तुत किए जाएंगे।

शार्ट न्यूज

यशस्वी के दोहरे शतक से पश्चिम क्षेत्र मजबूत

कोयंबटूर। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (209 नाबाद) और श्रेयस अय्यर (71) की शानदार पारी की बदौलत पश्चिम क्षेत्र ने दलीप ट्राफी के पांच दिवसीय खिताबी मुकाबले के तीसरे दिन शुक्रवार को दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ दूसरी पारी में तीन विकेट पर 376 रन बनाकर 319 रनों की लीड हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। एसएनआर क्रिकेट मैदान पर दिन का खेल खत्म होने के समय यशस्वी के साथ दूसरे छोर पर सरफराज खान 30 रन बना कर डटे थे। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये पश्चिम क्षेत्र पहली पारी में 270 रन सिमट गयी थी जिसके जवाब में दक्षिण क्षेत्र की पहली पारी दिन के पहले सत्र में 327 रन बनाए थे। पहली पारी में मात्र एक रन पर पवेलियन लौटने वाले यशस्वी आज रनों की भूख को शांत करने को उतावले दिखे। पारी की शुरूआत आक्रामक तरीके से करने वाले यशस्वी को आउट करने के लिये दक्षिण के कप्तान हनुमा बिहारी ने अपने आठ गेंदबाजों की फौज लगा दी मगर यूपी में जन्मे 20 वर्षीय खिलाड़ी ने मैदान के चारों ओर आकर्षक शॉट लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिये और प्रथम श्रेणी मैच में करियर का दूसरा दोहरा शतक 23 चौके और तीन छक्कों की मदद से पूरा किया। अपनी नाबाद 209 रन की पारी में वह अब तक 244 गेंदो का सामना किया है। यशस्वी ने प्रियांक पांचाल (40) के साथ पहले विकेट के लिये 110 रन जोड़े।

बीसीसीआई की बैठक में होगा पदाधिकारियों का चुनाव

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक 18 अक्टूबर को मुंबई में होगी जिसमें बोर्ड के उपाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का चुनाव किया जायेगा। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय के हाल ही में आये एक फैसले के अनुसार बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव का कार्यकाल एक बार और बढ़ाया जा सकता है। इस फैसले के बाद बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह का कार्यकाल एक बार बढ़ सकता है। अब 18 अक्टूबर को होने वाली वार्षिक आम बैठक में बोर्ड अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के चुनाव में हर किसी की निगाहें जमी हैं। ईसीपीएन क्रिक इंफो के अनुसार बोर्ड के सचिव जय शाह ने सभी राज्य क्रिकेट संघों को गुरुवार को एक नोटिस जारी कर बैठक का एजेंडा बताया है जिसमें अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सभी मामलों के बारे में ताजा जानकारी दी गयी है। दरअसल, अगले साल के अंत तक भारत एक दिवसीय विश्वकप की मेजबानी करेगा जिसमें आईसीसी इस टूर्नामेंट के लिये केन्द्र सरकार से कर छूट की उम्मीद लगाये हुये है। इससे पहले 2016 में भारत ने टी-20 विश्व कप की मेजबानी की थी और उस समय आईसीसी को कर छूट नहीं मिली थी।

पाकिस्तान की विस्फोटक जीत पर अफरीदी ने आलोचकों से ली चुटकी

कराची। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मिली शानदार जीत से उत्साहित पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आलोचकों से चुटकी लेते हुए कहा कि कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर ओपनर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बेहद स्वार्थी खिलाड़ी हैं जो मैच को आखिरी ओवर तक ले गये। दरअसल, पिछले कुछ समय से कप्तान बाबर आजम की फार्म और रिजवान के स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। एशिया कप में हालांकि शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद टीम को फाइनल में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था जिसके आलोचना के सुर और मुखर हो गये थे। गुरुवार को बाबर आज़म (110) और मोहम्मद रिज़वान (88) के बीच हुयी 203 रन की साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में 10 विकेट से मात दी। उसे यह जीत 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिली थी। जीत से उत्साहित शाहीन अफरीदी ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुये ट्वीट किया, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमें कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान से छुटकारा मिल जाना चाहिए, कितने सेल्फिश खिलाड़ी हैं दोनों, अगर सही से खेलते तो मैच 15 ओवर में ही समाप्त हो जाना चाहिए था मगर ये दोनों आखिर तक ले गए। इसको लेकर आंदोलन छेड़ा जाए न। ट्वीट के आखिर में उन्होने लिखा इस शानदार पाकिस्तानी टीम पर गर्व है।

किरण लिम्बू समेत पांच विदेशी बनेंगे पंजाब एफसी का हिस्सा

मोहाली। राउंड ग्लास पंजाब एफसी ने आई-लीग के आगामी सत्र में नेपाल के गोलकीपर किरण लिम्बू समेत पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ अनुबंध किया है। लिम्बु के अलावा स्लोवेनिया के फॉरवर्ड लुका माजसेन, स्पेन के मिड फील्डर जुआन मेरा, सर्बिया के डिफेंडर अलेक्सेंडर इग्नजाटोविक और बोस्निया और हर्जेगोविना के मिडफील्डर अदनान सेसेरोविक को आगामी हीरो-आई लीग सत्र के लिए साइन किया गया है। नेपाल के अनुभवी गोलकीपर किरण चेमजोंग लिम्बु, भारतीय फुटबॉल में एक जाना-पहचाना चेहरा है। साल 2020-21 वाले हीरोआई-लीग सत्र में इसी इसी क्लब की ओर से खेलते हुए किरण ने शानदार प्रदर्शन किया था, जिसके लिए उन्हें गोल्डन ग्लव्स अवार्ड से सम्मानित किया गया था। एक बार फिर से वह राउंड ग्लास पंजाब एफसी में वापसी कर रहे हैं। स्लोवेनियाई स्ट्राइकर लुकामाजसेन पिछले सीज़न में हीरोआई-लीग विजेता टीम गोकुलम केरला का हिस्सा भी थे, जिसमें इन्होंने 13 गोल दागे थे और सात गोल में मदद की थी। भारत में अपने दो सत्रों में, वह दोनों मौकों पर शीर्ष स्कोरर की सूची में दूसरे स्थान पर रहे हैं। आई लीग के दो सत्रों में इन्होंने 24 गोल मारे हैं। वहीं 28 वर्षीय जुआन मेरा को मिडफील्ड पे खेलने का काफी अधिक अनुभव है, ईस्ट बंगाल एफसी और नेरोका एफसी के लि एआई-लीग में पहले खेल चुके हैं।

विवेक, छेत्री की तिकड़ी, वायुसेना और सुदेवा जीते

नयी दिल्ली। विवेक कुमार और रमेश छेत्री की तिकड़ियों की मदद से भारतीय वायुसेना और सुदेवा दिल्ली एफसी ने क्रमश: बंगा दर्शन और उत्तराखंड फुटबाल क्लब को हरा कर दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वायुसेना ने तरुण संघा को 4-1 से और सुदेवा ने उत्तराखंड को 6-1 से हराया। पहले मैच के मध्यांतर तक सुदेवा 2-1 से बढ़त बनाए थी। रमेश छेत्री के तीन शानदार गोलों के अलावा श्रीदार्थ और लाल बियकलियाना (2) ने बाकी गोल बांटे। इस जीत के साथ सुदेवा ने 18 मैचों में 31 अंक बना लिए हैं लेकिन ख़िताब जीतने की उम्मीद कम रह गई है। भारतीय वायुसेना और तरुण संघा के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। तरुण संघा ने जोय मेस्सी के गोल से शुरुआती बढ़त ली लेकिन वायुसेना के सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार ने दनादन चार दर्शनीय गोलों से तरुण संघा से पूरे अंक छीन लिए। विवेक का हर गोल पहले से बेहतर रहा ।

26 से शुरू होगा एशियन अंडर-16 टेनिस टूर्नामेंट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 26 सितंबर से शुरू हो रही एशियाई अंडर-16 प्रतियोगिता में देश के कई नामचीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि एशियन टेनिस फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित एशियन अंडर-16 टेनिस टूर्नामेंट विजयंत खंड में 26 सितंबर से शुरू होगा जिसमें देशभर से शीर्ष वरीयता के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है । उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में हैदराबाद के शीर्ष वरीयता प्रकाश सरन, दूसरी सीड मध्य प्रदेश के रूद्रा बाथम, तीसरी वरीयता उत्तर प्रदेश के दक्ष कपूर, चौथी वरीय गुजरात के मृगांक रावत और पांचवीं वरीय मध्य प्रदेश के प्रानील शर्मा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। मुख्य ड्रा के मुकाबले 26 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच खेले जायेंगे जबकि क्वालिफाइंग मुकाबले 24 और 25 सितंबर को होंगे। अग्रवाल ने बताया कि एशियन अंडर-14 टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग मुकाबले एक और दो अक्टूबर को होंगे जबकि मुख्य ड्रा तीन से आठ अक्टूबर के बीच संपन्न होगा।

रोहित रंग में लौटे, भारत ने शृंखला 1-1 से बराबर की

एजेंसी

नागपुर। भारत ने रोहित शर्मा (46 नाबाद) की विस्फोटक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को वर्षाबाधित दूसरे टी20 मैच में शुक्रवार को छह विकेट से मात दी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने आठ ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे रोहित की टीम ने 7.2 ओवर में हासिल कर लिया।

जब लोकेश राहुल (10), विराट कोहली (10), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और हार्दिक पांड्या (09) बड़ा योगदान देने में असफल रहे तब रोहित ने कदम आगे बढ़ाया और 20 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 46 रन की कप्तानी पारी खेली। भारत को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे और क्रीज पर नये-नये आये दिनेश कार्तिक ने एक छक्के के बाद एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की शृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है।

रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के 90 रन के जवाब में भारत को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले ओवर में 20 रन जोड़े। राहुल के आउट होने से पहले दोनों के बीच 17 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई।

भारत चार ओवर में 51 रन बनाकर सहज था लेकिन ऐडम ज़ैम्पा ने पांचवें ओवर में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को आउट करके मैच को रोमांचक बनाया।

ज़ैम्पा ने अपने दो ओवरों में 16 रन देकर तीन विकेट झटके, लेकिन उनका प्रयास बेकार रहा और भारत ने चार गेंदें रहते हुए यह मैच जीत लिया। यह साल 2022 में भारत की 20वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। भारत ने इसी के साथ एक साल में सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय जीतने के पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिसने 2021 में 20 मुकाबलों में विजय हासिल की थी।

इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। ऐरन फिंच ने पारी की दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर के सर के ऊपर से चौका मारकर अपने मंसूबे साफ कर दिये।

दूसरे ओवर में कैमरन ग्रीन (पांच) और ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) के आउट होने के बावजूद फिंच ने तेजी से रन बनाना जारी रखा। अक्षर पटेल ने अपने आखिरी ओवर में टिम डेविड को भी न्यून स्कोर पर आउट किया और 13 रन के बदले दो विकेट लेकर अपना दो ओवर का स्पेल समाप्त किया। फिंच एकतरफा ऑस्ट्रेलिया की पारी को आगे बढ़ा रहे थे लेकिन चोट से उभर कर टीम में वापस आये जसप्रीत बुमराह ने उन्हें बोल्ड करके पवेलियन लौटाया। फिंच ने आउट होने से पहले 15 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का जड़कर 31 रन बनाये। इसके बाद मैथ्यू वेड और स्टीव स्मिथ ने पांचवें विकेट के लिये 18 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को आठ ओवर में 90 रन के स्कोर तक पहुंचाया। स्मिथ आठवें ओवर की आखिरी गेंद पर रन आउट हो गये लेकिन इससे पहले वेड के तीन छक्कों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इस ओवर में 19 रन जोड़ लिये।

वेड ने 20 गेंदें खेलकर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 43 रन बनाये जबकि स्मिथ ने आठ रन बनाने के लिये पांच गेंदें खेलीं।

पंत विश्व कप में भारतीय एकादश के लिये बेहतर विकल्प: गिलक्रिस्ट

एजेंसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम के अंतिम एकादश में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक को लेकर छिड़ी बहस के बीच आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने पंत की वकालत की है।

अगले महीने आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय भारतीय टीम में रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक शामिल है मगर दोनों के हालिया प्रदर्शन को देखते हुये क्रिकेट पंडितों के बीच चर्चा का विषय है कि अंतिम 11 में किसको जगह मिलेगी। दरअसल, पिछले कुछ मैचों में पंत का प्रदर्शन औसत रहा है मगर टीम के शुरूआती छह बल्लेबाजों में कोई भी बायें हाथ से बैटिंग नहीं करता है जो पंत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करता है वहीं दूसरी ओर कार्तिक अपनी जुझारू शैली और शानदार फिनिशर के तौर पर टीम में जाने जाते हैं।

गिलक्रिस्ट ने इस बहस का हिस्सा बनते हुये कहा रिषभ पंत एक साहसी बल्लेबाज है जो दुनिया के किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने का बूता रखता है। मुझे लगता है कि वह अंतिम 11 में होने का हकदार है। दिनेश कार्तिक और रिषभ दोनों टीम में साथ खेल सकते है मगर यदि मुझे इन दोनों में चुनाव करना पड़े तो निश्चित ही वह पंत के साथ जाऊंगा।

उन्होंने कहा, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ये दोनों एक ही टीम में खेल पाते हैं। मुझे लगता है कि वे कर सकते हैं। दिनेश कार्तिक शीर्ष क्रम में बेहतर खेल सकते जैसा कि उन्होंने अपने करियर में और अधिक किया है।

पंत ने अपने टी-20 करियर में अब तक 58 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल कर 23.94 के औसत से 934 रन बनाये है। उनका स्ट्राइक रेट 126.21 रहा है। उनका अब तक का प्रदर्शन हालांकि क्षमता के अनुरूप नहीं रहा है जैसी कि पहले संभावना जतायी जा रही थी। वहीं दिनेश कार्तिक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फिनिशर के तौर पर अपनी पहचान बनायी है जिसके कारण वह भारतीय टी-20 टीम और विश्व कप की टीम का हिस्सा बनने में सफल रहे हैं।

वाडा ने ट्रामाडोल के सेवन पर लगाया प्रतिबंध

सिडनी। आस्ट्रेलिया के सिडनी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को दर्द निवारक दवा ट्रामाडोल को 2024 में एथलीटों के लिये प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल करने का एलान किया है और कार्यकारी समिति की दूसरी बैठक के बाद गांजा पर प्रतिबंध बरकरार रखा है। वाडा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, ट्रामाडोल का बेजा इस्तेमाल और गांजा और अफीम की लत चिंता का विषय है और यही कारण है कि कई देशों में इसे नियंत्रित दवा बना दिया गया है। वाडा ने अध्ययनों के आधार पर भी शारीरिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए ट्रामाडोल की क्षमता की पुष्टि की है।

वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा मैं आज कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक की चर्चा से संतुष्ट हूँ। संबंधित विशेषज्ञों की सिफारिशों पर पूरी तरह विचार करने के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें 2023 निषिद्ध सूची को मंजूरी भी शामिल है, जो 01 जनवरी 2023 से प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा, मैं सिडनी में बैठक की शालीनता से मेजबानी करने के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार के अपने सहयोगियों और खेल मंत्री अनिका वेल्स सहित साफ सुथरे खेल के लिए अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के लिए बैठक में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

सीएनएन की एंकर ने सिर ढंकने की शर्त पर ईरानी राष्ट्रपति का इंटरव्यू करने से किया इंकार

अमेरिका के एक प्रमुख न्यूज़ चैनल सीएनएन की एंकर क्रिस्टीन एमनपोर ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के साथ इंटरव्यू रद्द कर दिया, वजह यह थी कि राष्ट्रपति रईसी चाहते थे कि क्रिस्टीन हेडस्कार्फ यानी सिर ढंककर उनका इंटरव्यू करें।

एमनपोर की दलील थी कि पूर्व में किसी राष्ट्रपति ने उनसे ऐसी मांग नहीं की, जब उन्होंने ईरान के बाहर उनका इंटरव्यू किया। एमनपोर का कहना है कि रईसी के सहयोगी ने उन्हें बताया कि ऐसा ईरान में मौजूदा हालातों के कारण किया गया था. ईरान में पिछले शुक्रवार को कथित तौर पर हिजाब के नियमों का पालन नहीं करने पर एक महिला की पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। 22 साल की महसा अमीनी की शुक्रवार को मौत हो गई थी। चश्मदीदों का कहना था कि तेहरान में अमीनी की गिरफ़्तारी के बाद उन्हें वैन में पीटा गया था, हालांकि पुलिस ने इन आरोपों का खंडन किया है.

ईरान में विरोध प्रदर्शन लगातार बढ़ते जा रहे हैं और सातवें दिन प्रदर्शनों की आग 80 शहरों तक फैल गई है. अधिकारियों के मुताबिक पुलिस के साथ हुई झड़पों में कम से कम 17 लोगों की मौत हुई है.

रईसी संयुक्त राष्ट्र महासभा में शिरकत करने के लिए न्यूयॉर्क में थे और अमेरिकी धरती पर यह उनका पहला इंटरव्यू था. एमनपोर ने कहा कि वह इंटरव्यू लेने के लिए तैयार थी, लेकिन तभी राष्ट्रपति के एक सहायक ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रईसी चाहते हैं कि वह (एमनपोर) बालों को ढककर रखें. एमनपोर ने बाद में ट्विटर पर लिखा, हम न्यूयॉर्क में हैं, जहाँ हेडस्कार्फ़ पहनने को लेकर कोई नियम या परंपरा नहीं है.

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति रईसी के सहयोगी ने साफ़ तौर पर कहा कि इंटरव्यू नहीं होगा अगर वह हेडस्कार्फ नहीं पहनेंगी क्योंकि यह सम्मान का सवाल है.

इसके बाद क्रिस्टीन एमनपोर की टीम वहाँ से चली आई. क्रिस्टीन ने इसे अभूतपूर्व और अप्रत्याशित स्थिति बताया.

ईरान में महिलाएं

1979 में ईरान में इस्लामी क्रांति के बाद यह क़ानून बना दिया गया था कि महिलाओं को इस्लामी तरीक़े से कपड़े पहनने होंगे. इसके बाद यह ज़रूरी हो गया कि महिलाएं चादर ओढ़ें जो उनके शरीर को ढंके रहे, साथ ही हेड स्कार्फ़ या हिजाब या बुर्क़ा पहनें.

हालिया सालों में ईरान में हिजाब की अनिवार्यता को लेकर कई अभियान चलाए गए हैं लेकिन ईरान की धार्मिक मामलों की पुलिस ने ड्रेस कोड का पालन न करने के आरोपों में कई बार कड़ी कार्रवाई की है जिसके ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

ईरान की न्यायपालिका के प्रमुख ग़ुलाम हुसैन मोहसेनी-इजेई ने कहा था कि इस अभियान के पीछे विदेशी ताक़तें हैं. साथ ही उन्होंने ख़ुफ़िया एजेंसियों को निर्देश दिए थे कि वो तलाशें कि इसके पीछे कौन है. गर्मियों में राष्ट्रपति रईसी ने इस अभियान का सीधे तौर पर हवाला देते हुए उन्होंने वादा किया था कि इस्लामी समाज में संगठित भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के ख़िलाफ़ वो कड़ी कार्रवाई करेंगे।

बीते कुछ महीनों में ईरान के सरकारी टीवी चैनलों ने उन महिलाओं के वीडियो प्रसारित किए हैं जो स्वीकार कर रही हैं कि उन्हें सख़्त ड्रेस कोड का पालन न करने को लेकर गिरफ़्तार किया गया था. कई ईरानियों का आरोप है कि इस कड़ी कार्रवाई के पीछे शीर्ष नेता अली ख़ामेनेई हैं. उनके एक भाषण को सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है जिसमें वो धार्मिक मामलों की पुलिस की भूमिका और उसके काम करने के तरीक़े की तारीफ़ कर रहे हैं.

सीरिया में नाव डूबने से 34 प्रवासियों की मौत

दमिश्क। लेबनान से प्रवासियों को लेकर जा रही एक नाव के सीरियाई जलक्षेत्र में डूबने से कम से कम 34 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। सीरियाई स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि नाव पर सवार 20 लोगों को बचा लिया गया और तटीय शहर टार्टस में उनका उपचार किया जा रहा है, टार्टस के समीप गुरुवार को नाव डूब गयी थी। तलाश अभियान अभी भी जारी है। मंत्रालय ने बचाए गए लोगों के हवाले से बताया कि नाव लेबनान से कई देशों के नागरिकों को लेकर रवाना हुई थी, जिनके गंतव्यों की वास्तविक जानकारी नहीं है।

दुनिया के सामने फिर गिड़गिड़ाए पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, बाढ़ में मिली मदद को बताया अपर्याप्त

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी में विनाशकारी बाढ़ के बाद दुनिया की ओर से दिए गए मदद और आश्वासनों को लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ खुश नहीं है। शरीफ ने बाढ़ की वजह से आई तबाही के लिए दुनिया की प्रतिक्रिया को सराहनी बताया है लेकिन कहा कि देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कंगाली की मार झेल रहे पाकिस्तान करीब 30 साल बाद एक बार फिर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ा है। स्थिति का अंदाजा इसे से लगाया जा सकता है कि देश का एक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया था। डॉन डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा, जलवायु परिवर्तन के हिसाब से हम टॉप टेन सबसे कमजोर देश में से हैं। विनाशकारी बाढ़ में करीब 1500 लोग मारे गए। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के कई नेताओं ने पाकिस्तान में तबाही के बारे में बात की थी। पाकिस्तान की स्थितियों पर अपनी भावना व्यक्त करने के लिए मैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का बहुत आभारी हूं। दुनिया ने जो किया है वह काबिले तारीफ है लेकिन यह हमारी जरूरतों को पूरा करने से कोसों दूर है। हम इसे अकेले नहीं कर सकते हैं।

बाढ़ की वजह से 30 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पाकिस्तान खुद राहत और पुनर्वास कार्य के लिए धन मुहैया नहीं करा सकता है। बाढ़ से करीब करीब 30 अरब डॉलर का नुकसान होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि जब तक दुनिया राहत, पुनर्वास और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अरबों डॉलर का मदद नहीं करती है, तब तक चीजें वापस सामान्य नहीं होंगी। मुझे अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना है और लाखों लोगों को उनके घरों में वापस ले जाना है।

कंबोडिया में नाव डूबी, 23 चीनी नागरिक लापता

नोम पेन्ह। कंबोडिया में चीनी दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि चीनी नागरिकों को लेकर जा रही एक नाव गुरुवार की शाम दक्षिण-पश्चिम कंबोडिया के समुद्र में डूब गई। चीनी दूतावास के अनुसार गुरुवार रात उन्हें कंबोडिया के पुलिस विभाग से एक अधिसूचना प्राप्त हुई कि नाव में सवार 41 चीनी नागरिकों में से 18 को बचा लिया गया जबकि 23 अभी भी लापता हैं और चालक दल के दो कंबोडियाई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। बचाए गए लोगों के अनुसार नाव में सवार होकर वे 11 सितंबर को चीन के ग्वांगझो से रवाना हुए और प्रीह सिहानोक प्रांत के जल क्षेत्र में पहुंचने के तुरंत बाद संकट में आ गए। दूतावास ने कहा कि दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही चीनी राजदूत वांग वेंटियन ने कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय, पुलिस विभाग, प्रीह सिहानोक प्रांत की सरकार और अन्य संबंधित विभागों से तत्काल संपर्क स्थापित करने के लिए कर्मचारियों को कहा और लापता लोगों को बचाने का अनुरोध किया। दूतावास के सलाहकार और महावाणिज्य दूत ली जी राहत-बचाव कार्यों का समन्वय करने के लिए गुरुवार रात प्रीह सिहानोक पहुंचे। राहत और बचाव कार्य जारी है।

न्यूयॉर्क शहर शरणार्थियों के लिए मानवीय राहत केन्द्र खोलेगा

न्यूयार्क। अमेरिका का न्यूयार्क शहर आगामी सप्ताह में टेक्सास और अन्य सीमावर्ती प्रांतों से आने वाले प्रवासियों की आमद की व्यवस्था करने के लिए अस्थायी मानवीय आपातकालीन प्रतिक्रिया और राहत केन्द्र खोलेगा। न्यूयार्क शहर के मेयर एरिक एड्म्स ने यह घोषणा की। मेयर के कार्यालय से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये राहत केन्द्र नये आने वाले व्यक्तियों और परिवारों को सहायता उपलब्ध करायेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें जरुरत के अनुसार पूरी सेवा और मदद लगातार मिलती रहे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि शरणार्थी मानवीय राहत केन्द्रों में एक से चार दिन तक रह सकेंगे। एडम्स ने कहा कि यह आपातकालीन प्रतिक्रिया दर्शाती है कि हम जानते हैं कि इस मानवीय संकट के दौरान क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि हम इस काम को जारी रखने के लिए अपने संघीय और राज्य भागीदारों से सहायता लेना जारी रखते हैं। न्यूयॉर्क शहर के आश्रय स्थलों के भर जाने पर प्रवासियों और अन्य बेघर लोगों को आपातकालीन आधार पर आश्रय प्रदान करने के लिए होटलों को अनुबंधित किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार दो मानवीय राहत केन्द्र आगामी हफ्तों में खोले जायेंगे। ऑर्चर्ड बीच पहले वयस्कों की सेवा करेगा और दूसरे स्थान को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पाकिस्तान को कर्ज चुकाना स्थगित करना चाहिए

इस्लामाबाद। एक प्रमुख फाइनेन्सियल अखबार ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि पाकिस्तान को हाल ही में आई बाढ़ और देश के वित्तीय संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय ऋण चुकौती तथा लेनदारों के साथ ऋण चुकाना स्थगित करना और इसका पुनर्गठन करना चाहिए। फाइनेंशियल टाइम्स ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र नीति ज्ञापन का हवाला देते हुए इस प्रकार का रिपोर्ट किया। रिपोर्ट में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम इस सप्ताह सरकार के साथ एक ज्ञापन साझा करेगा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि देश के लेनदारों को ऋण राहत पर विचार करना चाहिए ताकि नीति निर्माता ऋण चुकौती पर अपनी आपदा प्रतिक्रिया के वित्तपोषण को प्राथमिकता दे सकें। पाकिस्तान ने इससे पहले बाढ़ के कारण 30 अरब डॉलर के नुकसान का अनुमान लगाया है। पाकिस्तान सरकार और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस दोनों ने जलवायु परिवर्तन के लिए बाढ़ को जिम्मेदार ठहराया है। बाढ़ ने 3.3 करोड़ पाकिस्तानियों को प्रभावित किया है, अरबों डॉलर की क्षति हुई है और 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। इतने बड़े पैमाने पर हुई क्षति के बाद यह चिंता पैदा कर रहा है कि पाकिस्तान कर्ज नहीं चुका पाएगा। हाल ही में पाकिस्तान के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने महासभा की उच्च-स्तरीय बहस के उद्घाटन के दिन के लिए एकत्रित विश्व नेताओं को एक जोरदार संबोधन दिया। गुटेरेस ने अपनी यात्रा के दौरान पहली बार की गई अपील को दोहराया जहां उन्होंने उधारदाताओं से उन देशों की मदद करने के लिए ऋण में कमी पर विचार करने का आग्रह किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैद्ध फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैद्ध इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैद्ध गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैद्ध गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैद्ध गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैद्ध गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैद्ध

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्रायः सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैः हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं : डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैद्ध दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैद्ध गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएद्ध जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैद्ध दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिद्ध तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिद्ध चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिद्ध पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैद्ध दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएद्ध क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएद्ध क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेद्ध लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैद्ध इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएद्ध खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएद्ध मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएद्ध आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएद्ध पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैद्ध यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएद्ध कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैद्ध

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैद्ध माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएद्ध दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएद्ध फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेद्ध फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेद्ध बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैद्ध फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएद्ध यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैद्ध जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैद्ध नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैद्ध जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैद्ध ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैद्ध जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएद्ध रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएद्ध पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

CMYK CMYK CMYK CMYK